राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार ,19 जुलाई–2021 वर्ष–4, अंक – 176 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

तीसरी लहर से पहले अलर्टः यूपी में एंट्री सख्त,

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर रोकने के लिए योगी सरकार अभी से सतर्कता बरत रही है। इसी के तहत राज्य सरकार कोरोना प्रभावित राज्यों से यूपी आने वालों के लिए निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट या फिर दोनों डोज वैक्सीन लगवाए जाने का प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसके लिए जल्द ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जाए। यह भी कहा कि ट्रेन, हवाई जहाज व बस आदि से यूपी आने वाले कोविड पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। इसलिए ऐसे लोगों की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग और जांच जरूर की जाए। विशेषज्ञों के भविष्य के आकलन पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण का काम सुचारु रूप से चल रहा है। यूपी चार करोड़ कोविड वैक्सीन लगाने वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। कोरोना महामारी के बीच प्रदेश सरकार ने लोगों के जीवन और जीविका को सुरक्षित रखने के साथ विकास परियोजनाओं को भी जारी रखा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का कार्य पूर्णता की ओर है, तो गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 89 फीसदी से अधिक भूमि क्रय कर ली गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर दिन के साथ कोविड महामारी पर नियंत्रण की स्थिति और बेहतर होती जा रही है।

मुंबईः बारिश से मची तबाही

चैंबूर और विक्रोली में दीवार ढहने से 25 की मौत, पीएम और राष्ट्रपति ने जताया दुख

मुंबई। रातभर हुई भारी बारिश के कारण मकान गिरने की घटनाओं में 25 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही शहर` में मूसलाधार बारिश के कारण जलभराव के चलते लोकल ट्रेन सेवा और यातायात भी प्रभावित है। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे ने भारी बारिश के चलते मुंबई में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया है तथा लंबी दूरी की कई ट्रेनों का या तो मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है या उनका अन्य स्टेशनों से परिचालन हो रहा है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एक पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक परिसर की दीवार ढहने से उसके नीचे दबकर 17 लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुंबई में माहुल इलाके के वाशी नाका में देर रात करीब एक बजे एक पेड़ के गिर जाने से उससे सटे एक मकान की दीवार ढह गई। घटना में सात लोग घायल हो गए, जिन्हें पास के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण मुंबई के विखरोली उपनगर में देर रात करीब ढाई बजे भूस्खलन के चलते छह कच्चे मकानों के ढह जाने से सात लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, उपनगर भांडुप में वन विभाग परिसर की दीवार ढह जाने से 16 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसों पर दुख जताते हुए कहा, 'मुंबई के चैंबूर और विक्रोली में दीवार गिरने से लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे अतिशीघ्र स्वस्थ हों।' प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से हादसे में मरने वाले परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये मुआवजा देने का एलान कर दिया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, 'चैंबूर और विक्रोली इलाकों में भारी बारिश के चलते हुई घटनाओं में कई लोगों के मरने और हताहत होने की खबर से गहरा दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' मुंबई में हो रही लगातार बारिश की वजह से शनिवार देर रात दो अलग-अलग हादसों में अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 16 लोगों को बचाया गया है। मृतकों में से 17 लोगों की मौत चेंबूर इलाके में तो 3 की मौत विक्रोली में हुई। एनडीआरएफ की टीम मलबा हटाने में लगी हुई है। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट आशीष कुमार ने बताया, 'चैंबूर से चार शव बरामद किए हैं। इससे पहले 10 शव स्थानीय लोगों ने बरामद कर लिए थे। चैंबूर में सात और विक्रोली में छह और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।'

यूपी विधानसभा चुनावः गठबंधन पर प्रियंका गांधी ने खोले पत्ते

बोलीं: परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेंगे

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में आगामी चुनाव के लिए गठबंधन करने पर कहा कि हमारा मकसद भाजपा को हराना है इसके लिए हम परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि हम ओपेन माइंडेड हैं पर हमें गठबंधन से नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे हमारे संगठन और पार्टी हित को चोट पहुंचे। हम आगे की परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति तय करेंगे। इसके पहले शनिवार को उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वो बिना रुके और बिना डरे चुनाव तक 24 घंटे काम करें। तभी विधानसभा चुनाव में सही नतीजे मिलेंगे। उन्होंने पिछले डेढ़ साल की पार्टी की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि हमने न्याय पंचायत स्तर तक संगठन पहुंचाया है। इस पर हर कांग्रेसी को गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में कांग्रेस से बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं। संगठन मजबूत हुआ है। जो संगठन हमने बनाया है, उसकी भाग्यरेखा आपके हाथों में है। अगर एकजुट होकर जी-जान से अगले सात महीने हमने काम किया तो विधानसभा चुनाव में अच्छे नतीजे मिलेंगे। 2019 के बाद जहां भी संघर्ष हुए या आम जन परेशानी में पड़े, कांग्रेस कार्यकर्ता सबसे पहले पीड़ितों के पक्ष में खड़ा हुआ। कांग्रेस के नेताओं व कार्यकताओं ने कोरोना में जरूरतमंदों तक सबसे पहले व सबसे ज्यादा मदद पहुंचाई। प्रियंका ने आह्वान किया कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के मुद्दों, संघर्ष व भावनाओं से जुड़ें। नए लोगों को संगठन से जोड़ें, पर पुराने और वरिष्ठ लोगों को साथ लेकर चलें, तभी संगठन मजबूत होगा। यूपी में पार्टी संगठन में आप सब नई ऊर्जा लाए हैं। आपके कारण ही कांग्रेस चर्चा में आई है।

सेना भर्ती में फजीर्वाड़े के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज, तीन गिरफ्तार

बरेली (उप्र)। सेना की भर्ती में फजीर्वाड़ा करने के आरोप में चार अभ्यर्थियोंके खिलाफ बरेली के थाना कैंट में मामला दर्ज कर पुलिस ने तीन आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी और कहा कि एक आरोपी फरार हो गया है। उन्होंने बताया कि चारों अभ्यर्थी एक-दूसरे की जगह मेडिकल करवा रहे थे, लेकिनदस्तवेजों में लगे फोटो और पहचान चिह्न से उनका फजीर्वाड़ा पकड़ा गया। सभी आरोपी उत्तराखंड के नैनीताल और अल्मोड़ा से हैं। मेजर एसके मिश्र मोहर की ओर से उनके खिलाफ थाना कैंट में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट राजीव कुमार सिंह ने दर्ज प्राथमिकी के आधार पर बताया कि उत्तराखंड राज्य के निवासी ललित सिंह नेगी, बलम सिंह मटियाली, ललित लटवाल और धीरज कुमार एक-दूसरे की जगह सेना की भर्ती में मेडिकल जांच कराने पहुंच गए और सेना के अधिकारियों को उनके फजीर्वाड़े की जानकारी दस्तावेजों को देखकर लगी। उन्होंने बताया कि इस बीच, धीरज सिंह वहां से भाग निकला लेकिन ललित सिंह नेगी, बलम सिंह और ललित लटवाल को सेना की टीम ने पकड़ लिया। काफी देर तक आरोपियों से पूछताछ करने के बाद सेना ने तीनों को कैंट पुलिस को सौंप दिया।

यूपी चुनावः मायावती बोलीं:

भाजपा को वोट देकर पछता रहे हैं ब्राह्मण

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चुनाव में ब्राह्मण भाजपा के बहकावे में आ गए लेकिन अब पछता रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में ब्राह्मणों को फिर से बसपा के साथ आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों व कांग्रेसियों ने दलितों को पिछले चुनाव में बहकाने की खूब कोशिश की थी और उनके साथ खूब खिचड़ी खाई और खिलाई लेकिन उन्हें दलितों पर गर्व है क्योंकि दलित उनके बहकावे में नहीं आए। मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों की भी भावनाएं समझनी चाहिए। संसद के मानसून सत्र में बसपा के सांसद इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएंगे साथ ही आम मुद्दों को भी उठाया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा के खिलाफ पूरे विपक्ष को एकजुट होना चाहिए। मायावती ने खासतौर पर ब्राह्मणों पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि तमाम हथकंडे अपनाकर भाजपा ने पिछले चुनाव में ब्राह्मणों को अपने पक्ष में कर लिया और ब्राह्मण भी उनके बहकावे में आ गए तथा उन्हें एक तरफा वोट किया। सरकार बना दी पर अब ब्राह्मण पछता रहे हैं क्योंकि यह सब जानते हैं कि ब्राह्मणों पर इस सरकार में कितनी ज्यादती हुई है। अब समय आ गया है कि ब्राह्मण फिर से बसपा के साथ जुड़ जाएं क्योंकि 2007 के चुनाव में ब्राह्मण बसपा के साथ जुड़े थे और प्रदेश में बसपा की सरकार बन गई थी। बसपा ने भी ब्राह्मणों के हितों का पूरा ध्यान रखा था। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए 23 जुलाई से हम अभियान की शुरूआत कर रहे हैं और यह अभियान अयोध्या से सांसद सतीश चंद्र मिश्रा की अगुवाई में शुरू हो रहा है।

अमरिंदर सिंह के 'घर' तक जा पहुंचे सिद्धू

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए विधायकों से मांगा समर्थन

अमृतसर। पंजाब में कांग्रेस का अगला अध्यक्ष बनने की चचाओं में घिरे नवजोत सिंह सिद्धू रविवार को मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के गृह क्षेत्र पटियाला पहुंचे और पार्टी विधायकों से मुलाकात की और उनसे समर्थन मांगा। द संडे एक्सप्रेस के मुताबिक, अमरिंदर सिंह कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर हर फैसले का सम्मान करेंगे, लेकिन उन्होंने सिद्धू से मिलने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने खिलाफ सिद्धू के द्वारा "अपमानजनक" ट्वीट करने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है। सिद्धू ने शूतराना विधायक निर्मल सिंह शूत्राना से मुलाकात की और बाद में कई विधायकों के साथ घनौर विधायक मदन लाल जलालपुर के घर गए। जलालपुर के घर पर कैबिनेट मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा पहले से मौजूद थे। पटियाला से सांसद और अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर के करीबी माने जाने वाले जलालपुर ने अपने कार्यकताओं के साथ सिद्धू की मेजबानी की। जलालपुर ने मीडिया से कहा, "मुझे रंधावा का फोन आया कि सिद्धू मुझसे मिलने आएंगे। मैंने उसके लिए चाय का इंतजाम किया है। आपको बता दें कि सिद्धू के खेमे ने कम से कम 30 विधायकों के साथ उनकी तस्वीरें भी जारी की, जिनसे वह शनिवार को मिले थे। सिद्धू के एक सहयोगी ने कहा कि समर्थन देने वाले विधायकों की संख्या बढ़ रही है। राज्यसभा प्रताप बाजवा ने दिल्ली में अपने आवास पर पंजाब के सांसदों की बैठक आयोजित की। सांसद ने घोषणा की है कि वे सिद्धू को अध्यक्ष बनाने का विरोध करने के लिए एक रणनीति तैयार करेंगे और एआईसीसी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का समय भी मांगेंगे। इस बीच, कम से कम 10 विधायकों ने अमरिंदर को अपना समर्थन दिया और सिद्धू से अपने ट्वीट के लिए माफी मांगने की मांग की। हालांकि, इनमें से तीन तकनीकी रूप से कांग्रेस के विधायक नहीं हैं। विधायक सुखपाल खैरा, निर्मल सिंह और जगदेव कमालू हाल ही में आप द्वारा निलंबित किए जाने के बाद कांग्रेस में शामिल हुए थे। शेष सात में हरमिंदर सिंह गिल, फतेह जंग सिंह बाजवा, गुरप्रीत सिंह जीपी, कुलदीप सिंह वैद, बलविंदर सिंह लड्डी, संतोख सिंह भलाईपुर, जोगिंदरपाल भोआ शामिल हैं, जो सभी कांग्रेस विधायक हैं। एक बयान में, विधायकों ने पार्टी आलाकमान से अमरिंदर को निराश नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ह्लउनके अथक प्रयासों के कारण पार्टी पंजाब में अच्छी तरह से स्थापित है।" विधायकों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज्य पीपीसीसी प्रमुख की नियुक्ति पार्टी आलाकमान का विशेषाधिकार है, लेकिन पिछले कुछ महीनों के दौरान अंदरूनी कलह ने केवल पार्टी के ग्राफ को प्रभावित किया है। विधायकों ने कहा कि चूंकि राज्य विधानसभा चुनाव के लिए केवल छह महीने बचे हैं, इसलिए पार्टी को अलग-अलग दिशाओं में खींचने से उसकी संभावनाओं को ही नुकसान होगा।

हरियाणा सरकार ने राज्य में बढ़ाया 26 जुलाई तक लॉकडाउन

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने रविवार को राज्य में आंशिक लॉकडाउन को एक और सप्ताह (26 जुलाई) तक बढ़ाने के आदेश जारी किए है। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए एक बार फिर रोजाना रात का कर्फ्यू लगाया जाएगा। राज्य भर में सप्ताह के सभी सातों दिन रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रात का कर्फ्यू लागू रहेगा। इससे पहले 4 जुलाई को राज्य सरकार ने सप्ताहांत पर कर्फ्यू हटा लिया था। हरियाणा सरकार ने अपने आदेश में कहा कि कोविड -19 सकारात्मकता दर और नए मामलों में गिरावट के बावजूद प्रतिबंधों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। कुछ कोविड -19 प्रतिबंधों में भी ढील दी गई है। होटल और मॉल सहित रेस्तरां और बार को सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक बैठने की 50 प्रतिशत सीमा के साथ खोलने की अनुमति दी गई है।

संसद घेरावः दिल्ली पुलिस और किसानों की बैठक रही बेनतीजा

आज दोबारा होगी बातचीत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के विरोध में राजधानी की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसानों ने 22 जुलाई से संसद घेराव का आह्वान किया हुआ है। किसानों के मूड को देखते हुए दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की चिंता बढ़ी हुई है। अधिकारी किसानों को मनाने के प्रयास में जुट गए हैं। इसी क्रम में आज किसानों के साथ दिल्ली पुलिस ने बैठक की। लेकिने दिल्ली पुलिस और किसानों की बैठक बेनतीजो रही। सोमवार को फिर इसको लेकर बाते होगी। किसान नेता शिव कुमार कक्का ने बताया कि बैठक में हमने पुलिस को जानकारी दी कि प्रतिदिन 200 किसान सिंघू बॉर्डर से संसद तक मार्च करेंगे। हर प्रदर्शनकारी के पास पहचान पत्र होगा। हम प्रदर्शनकारियों की सूची भी सरकार को दे देंगे। लेकिन पुलिस ने हमें प्रदर्शनकारियों की संख्या घटाने को कहा, जिसपर हम तैयार नहीं हुए। वहीं बैठक शुरू होने से पहले भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बताया कि मीटिंग में केवल उन रूटों के बारे में चर्चा होगी जिनके प्रयोग के लिए प्रदर्शनकारियों को अनुमति मिलनी है।लेकिने दिल्ली पुलिस संसद के सामने किसानों को प्रदर्शन करने के लिए किसी भी हाल में इजाजत देने को तैयार नहीं है। बैठक में पुलिस की ओर से इस पक्ष को स्पष्ट भी कर दिया गया है, हालांकि किसानों को जंतर-मंतर में प्रदर्शन करने का विकल्प दिया गया है लेकिन इसपर बात नहीं बनी है। बता दें कि दिल्ली में किसानों के संसद घेराव की घोषणा को लेकर सात मेट्रो स्टेशनों को अलर्ट पर रखा गया है। इसके लिए दिल्ली पुलिस ने डीएमआरसी को लिखित में कहा है कि इन सातों स्टेशनों को कड़ी निगरानी में रखा जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल बंद करने के लिए भी तैयारी रखी जाए।

दिल्लीः जामिया के कब्रिस्तान में किया जाएगा

दानिश सिद्दीकी को सुपुर्द-ए-खाक

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में मारे गए फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी के शव को दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। यह जानकारी रविवार को एक बयान जारी कर दी गई। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा, "जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति ने फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी के परिवार के उनके शव को विश्वविद्यालय के कब्रिस्तान में दफनाने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। यह कब्रिस्तान विशेष तौर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और नाबालिग बच्चों के लिए बनाया गया है। सिद्दीकी ने इस विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की थी और उनके पिता अख्तर सिद्दीकी विश्वविद्यालय में शिक्षा संकाय के डीन थे। सिद्दीकी ने वर्ष 2005-2007 में एजेके मास कम्युनिकेशन सेंटर (एमसीआरसी) से पढ़ाई की थी। जामिया शिक्षक संघ ने सिद्दिकी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सिद्दीकी को वर्ष 2018 में समाचार एजेंसी रॉयटर के लिए काम करने के दौरान पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और गत शुक्रवार को पाकिस्तान की सीमा से लगते अफगानिस्तान के कस्बे स्पीन बोल्दक में उनकी हत्या कर दी गई थी। हत्या के समय वह अफगान में विशेष बलों के साथ थे। एजेके एमसीआरसी के कार्यवाहक निदेशक ने कहा, "दानिश हमारे हॉल ऑफ फेम में सबसे चमकीले सितारों में से एक थे और एक सक्रिय पूर्व छात्र थे जो छात्रों के साथ अपने काम और अनुभवों को साझा करने के लिए अपने अल्मा मेटर में लौटते रहे। हम उन्हें दिल से याद करेंगे और उनकी स्मृतियों को जीवित के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।" प्रोफेसर सबीना गाडीहोक ने कहा कि उनकी तस्वीरें अद्भुत हैं और उन्होंने कभी भी अपने फ्रेम के भीतर की गरिमा से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि दानिश में एक पत्रकारिता की तस्वीर को सहानुभूति के साथ देने और अपने विषयों को गरिमा और अनुग्रह देने की अद्वितीय क्षमता थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गम्भीर चिंता का विषय

हम सब पहली और दूसरी लहर देख चुके हैं। दूसरी लहर ने तो इतना कहर बरपाया कि हमने बहुत से अपनों को खोया। जो दर्द, तकलीफ अपनों को खोने की है वो कभी भी भुलाई नहीं जा सकती। वो कभी पूरी नहीं हो सकती। यही नहीं दूसरी लहर ने सबके कानों को हाथ लगवा दिये थे और समझा दिया था कि जीवन है तो सब कुछ है। सेहत है तो जहान है। सब सख्ती से पालन कर रहे थे, परन्तु जैसे हम कोरोना की दूसरी लहर से उभर रहे हैं लोगों के व्यवहार में फिर बदलाव शुरू हो रहा है। अभी कि सबको मालूम है कि यह वायरस आसानी से जाने वाला नहीं है। लॉकडाउन और सभी सुरक्षा के उपाय करते हुए आज दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 0.1 है। वहीं ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 657 हैं, परन्तु दूसरी तरफ महाराष्ट्र और केरल में केस बढ़ रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री भी इस बारे में चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि यह वाकई हम सबके लिए गम्भीर चिंता का विषय है।हम सब मानते हैं हम पिछले डेढ़-दो साल से घर बैठे या वर्क फ्रोम होम करते तंग आ गए हैं। बहुत मुश्किल है और कइयों का रोजगार चला गया है। वो और भी मुश्किल जिन्दगी थम सी गई है। इसलिए बहुत से लोग घर से ऐसे निकल रहे हैं कि जो होगा देखा जाएगा-सड़क पर फिर मारामारी, ट्रैफिक, हर स्थान पर भीड़। यहां तक कि हिल स्टेशनों पर जो भीड़ दिख रही है वो तो बहुत ही चिंता का विषय है। सबको चेतावनी भी है कि तीसरी लहर की मार सहनी बहुत मुश्किल होगी और यह छोटे बच्चों पर भी असर करेगी, परन्तु फिर भी लोगों को समझ नहीं आ रही। अब तो डब्ल्यूएचओ ने भी चेतावनी जारी कर दी है कि भारत में तीसरी लहर कभी भी आ सकती है, इसलिए हमें सभी को सम्भलना जरूरी है। हमें सुरक्षा के नियमों के साथ जीने की आदत डालनी पड़ेगी, तब कहीं हम जाकर बच पाएंगे। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना, हाथों को सैनेटाइज करते रहना तो हमारा लाइफ स्टाल हो जाना चाहिए। यानी जैसे हम रोजमर्रा की जिन्दगी जीते हैं, सुबह उठना, ब्रश करना, नहाना, पूजा करना, खाना खाना, काम करना यह जरूरी है वैसे यह भी जरूरी होना चाहिए।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सबको गांवों, शहरों में बुजुर्गों, युवाओं और आने वाले समय में बच्चों को वैक्सीनेशन लग जानी चाहिए और जैसे आधार कार्ड पर एक देश से दूसरी देश में घूमने के लिए पासपोर्ट, वीजा जरूरी है वैसे ही सबके पास टीके का सर्टिफिकेट या उनके व्हाट्सएप पर या ई-मेल पर होना चाहिए ताकि जैसे चैकिंग होती है उस तरह हर शहर, गांव में चैकिंग टीम हो। वो जो भी व्यक्ति सड़क पर, काम पर, रेस्टोरेंट, माल्स, बस या हिल स्टेशन पर है उनकी चैकिंग होनी चाहिए। वो ही व्यक्ति बाहर निकले जिसके टीका लग चुका है। उससे उसकी भी सुरक्षा होगी और दूसरों की भी क्योंकि टीका लगने के बाद भी कोरोना तो हो सकता है परन्तु जानलेवा नहीं। यानी सबके पास जैसे एक ड्राइवर के पास ड्राइविंग लाइसेंस होता है, वैसे ही सबको घर से बाहर घूमने के लिए, काम पर जाने के लिए वैक्सीनेशन कार्ड होना जरूरी है। भीड़ समाप्त करने का यही तरीका है। हम अक्सर मुसीबत समाप्त होने पर सुधरते हैं। तीसरी लहर से बचने का और सम्भलने का यही समय और तरीका है। हमें तीसरी लहर को हर हालत में रोकना होगा।

'आज के ट्वीट

सफलता की कामना

मुंबई के चेंबूर और विक्रोली में भारी वर्षा के कारण हुए हादसों में कई लोगों के हताहत होने की खबर से अत्यंत दुःख हुआ। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं तथा राहत व बचाव कार्य में पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ। : *President of India*

योगी की प्रशंसा के निहितार्थ

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कुछ दिन पहले योगी आदित्यनाथ मंत्रिपरिषद को लेकर अफवाहों का बाजार सजाया गया था। सत्ता पक्ष के प्रत्येक नेता की सामान्य यात्राओं को भी परिवर्तन से जोड़कर पेश किया जा रहा था। इस हवाई प्रचार अभियान में शामिल लोग उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं थे। उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर को भी इसमें शामिल कर लिया था। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के बीच मतभेद की कहानी भी गढ़ ली गई। वैसे जल्दी ही इस अभियान की हवा निकल गई थी। प्रधानमंत्री की काशी यात्रा से यह अभियान पूरी तरह निराधार प्रमाणित हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी अनेक अवसरों पर योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते रहे हैं। काशी यात्रा के दौरान तो उन्होंने जैसे विधानसभा चुनाव का एजेंडा ही निर्धारित कर दिया। इसमें नेतृत्व नीति और कार्यशैली पर विश्वास पर विश्वास का भाव समाहित है। योगी को यशस्वी व कर्मठ मुख्यमंत्री बताया। कहा कि उनकी सभी उपलब्धियों को बताने में बहुत समय लगेगा। विगत साढ़े चार वर्षों की उपलब्धियों से केंद्रीय नेतृत्व संतुष्ट है। योगी आदित्यनाथ नेतृत्व और उपलब्धियों के आधार पर पिछली सरकारों को बहुत पीछे छोड़ चुके है। नरेंद्र मोदी ने पहले उत्तर प्रदेश की जातिवादी और भाई भतीजावाद की राजनीति का उल्लेख किया। योगी आदित्यनाथ ने उस दौर से उत्तर प्रदेश को बाहर निकाला है। उन्होंने व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव किया। इससे प्रदेश में विकास का बेहतर माहौल बना। जनहित की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ। योगी सरकार विकासवाद पर अमल कर रही है। इसमें पहले की तरह भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद नहीं है। आज उत्तर प्रदेश में जनता को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ स्वयं इसपर ध्यान दे रहे हैं। प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बनाया गया है। नये-नये उद्योगों का निवेश हो रहा है। उत्तर प्रदेश को पहले बीमारू माना जाता था। अब यहां औद्योगिक विकास हो रहा है। निवेश व मेक इन इंडिया के लिए उत्तर प्रदेश पसंदीदा जगह बन गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस एवं औद्योगिक कलस्टर का निर्माण किया। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट से मुकाबले की मिसाल कायम की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसकी प्रशंसा की है। उत्तर प्रदेश की आबादी दुनिया के कई बड़े देशों से भी ज्यादा है। दिमागी बुखार जैसी आपदा पर बड़ी हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के सबसे ज्यादा टेस्ट हुए हैं। सबसे अधिक टीके भी उत्तर प्रदेश में ही लगे हैं। उत्तर प्रदेश में चार वर्ष पहले बारह मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या चार गुनी हो गई है। साढ़े पांच सौ से अधिक ऑक्सीजन प्लांट प्रदेश में लगाए जा रहे हैं। काशी पूर्वांचल का बहुत बड़ा मेडिकल हब बन रही है। अब प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर चौबीस घण्टे, तहसील मुख्यालय में करीब बाइस घण्टे, ग्रामीण क्षेत्र में सोलह से सत्रह घण्टे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। आने वाले समय में पूरे प्रदेश में चौबीस घण्टे विद्युत आपूर्ति देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी से परिवेश बदला है। आज प्रदेश में एयरपोर्ट, हवाई पट्टी विकास,

योगी आदित्यनाथ की सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस एवं औद्योगिक कलस्टर का निर्माण किया। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट से मुकाबले की मिसाल कायम की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसकी प्रशंसा की है। उत्तर प्रदेश की आबादी दुनिया के कई बड़े देशों से भी ज्यादा है। दिमागी बुखार जैसी आपदा पर बड़ी हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के सबसे ज्यादा टेस्ट हुए हैं। सबसे अधिक टीके भी उत्तर प्रदेश में ही लगे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे, बलिया लिंक एक्सप्रेस वे के कार्य हो रहे हैं। राज्य सरकार ने अबतक गन्ना किसानों को सवा लाख करोड़ रुपए के गन्ना मूल्य का भुगतान कराया है। करण्ट ईयर में आधे से अधिक का गन्ना मूल्य का भुगतान कराया जा चुका है। कोरोना काल में भी सभी एक सौ उन्नीस चीनी मिलें संचालित की गईं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लगभग छत्तीस लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की। छियासठ लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। किसानों को ग्यारह हजार करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया गया है। राज्य सरकार द्वारा मक्के की खरीद कर किसानों को करीब दो सौ करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के ढाई करोड़ बयालीस लाख किसानों को लाभान्वित किया गया है। इसके लिए राज्य को भारत सरकार से प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में चालीस लाख आवास उपलब्ध कराए गए हैं। करीब ढाई करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित किया गया। चौवन लाख कामगार श्रमिक,स्ट्रीट वेण्डर्स आदि को भरण।पोषण भत्ते का लाभ मिला। कामगारों श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा तथा सर्वांगीण विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उत्तर प्रदेश कामगार एवं श्रमिक सेवायोजन एवं रोजगार आयोग का गठन किया गया है। एक करोड़ अड़तीस लाख घरों में नि:शुल्क विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। सत्तासी लाख से अधिक लोगों को वृद्धावस्था महिला व दिव्यांगजन पेंशन दी गई है। हर घर नल योजना के तहत तीस हजार ग्राम पंचायतों में शुद्ध पेयजल योजना लागू की गई है। हर जिला मुख्यालय को फोर लेन से तथा तहसील मुख्यालयों और विकास खण्ड मुख्यालयों को दो लेन से जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में फिल्म सिटी के निर्माण की कार्यवाही भी प्रगति पर है। उत्तर प्रदेश में इण्डस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है। एक जनपद, एक उत्पाद योजना के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। प्रयागराज कुम्भ में तीर्थयात्रियों की संख्या सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था के नए वैश्विक रिकार्ड बने। इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री में बड़ा निवेश हो रहा है। तीन वर्ष पूर्व प्रदेश में अभूतपूर्व इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। इसके कुछ महीने बाद शिलान्यास समारोह का भी आयोजन हुआ। निवेश का दूसरा आयोजन भी सफल रहा। डिफेंस एक्सपो से भी बढ़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव हासिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने न्यू यूपी का रोडमैप तैयार किया था। जिसमें एक जिला एक उत्पाद, निवेश, कृषि का विकास, ढांचागत विकास, तीर्थाटन पर्यटन शिक्षा, स्वास्थ्य, अवस्थापना सुविधा आदि अनेक विषय शामिल किये गए थे। इस दिशा में भी कार्य चल रहा है। योगी सरकार से पहले प्रदेश में अठारह प्राइवेट यूनिवर्सिटी थी। इस सरकार में अट्ठाइस निजी यूनिवर्सिटी को एक साथ अनुमति दी गई। इसके अलावा आठ नई राजकीय यूनिवर्सिटी बनेंगी। बेसिक शिक्षा में एक करोड़ अस्सी लाख बच्चों को नि:शुल्क पुस्तकें,यूनिफार्म स्वेटर जूते मोजे दिए जा रहे हैं। इस समय में प्रदेश में चार एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन हैं। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जोड़ते हुए विकसित किया जा रहा है।

ज्ञान गंगा

खुशी

जग्गी वासुदेव, धर्म, धार्मिक लेख

प्रसन्न या अप्रसन्न रहना मूल रूप से आप का ही चुनाव है। लोग इसलिए दु:खी रहते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि दु:खी रहने से उन्हें कुछ मिलेगा। यह पढ़ाया जा रहा है कि अगर आप पीड़ा भोग रहे हैं तो आप स्वर्ग में जाएंगे। पर, यदि आप दु:खी इंसान हैं तो आप स्वर्ग में जा कर भी क्या करेंगे? नर्क आप के लिए ज्यादा घर जैसा होगा! जब आप दु:खी ही हैं, तो आप को कुछ भी मिले, क्या फर्क पड़ेगा? यह कोई दार्शनिक बात नहीं है, आप का सच्चा स्वभाव है। स्वाभाविक रूप से तो आप प्रसन्न रहना चाहेंगे। मैं आप को कोई उपदेश नहीं दे रहा हूं, 'खुश रहो, तुम्हें खुश रहना चाहिए'। हर प्राणी आनंदित रहना चाहता है। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, हर वो काम जो आप कर रहे हैं, वह किसी न किसी रूप में खुशी पाने के लिए ही कर रहे हैं। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। उदाहरण के लिए, आप लोगों की सेवा करना क्यों चाहते हैं? बस, इसलिए कि सेवा करने से आप को खुशी मिलती है! कोई अच्छे कपड़े पहनना चाहता है, कोई बहुत सारा धन कमाना चाहता है क्योंकि इससे उनको खुशी मिलती है। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। खुशी जीवन का मूल लक्ष्य है। आप स्वर्ग जाना क्यों चाहते हैं? सिर्फ इसलिए कि किसी ने आपको बताया है कि अगर आप स्वर्ग जाएंगे तो खुश रहेंगे। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उस सब को कर लेने के बाद भी अगर आप को खुशी नहीं मिलती है, तो इसका अर्थ यही है कि जीवन की किन्हीं मूल बातों को आप चूक गए हैं। आप जब बच्चे थे तो आप ऐसे ही खुश रहते थे। फिर, आगे के रास्ते में, कहीं ये आप से खो गया। आप ने इसे क्यों खोया? आप ने अपने आसपास की बहुत सारी वस्तुओं से अपनी पहचान बना ली-आपका शरीर, आपका मन। आप जिसे अपना मन कहते हैं, वो कुछ और नहीं है, बस वे सारी सामाजिक बातें हैं, जो आपने अपने आसपास की सामाजिक परिस्थितियों में से ले ली हैं।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

अंग्रेजों के जमाने का तो बहुत कुछ है, क्या-क्या बदलें

– सियाराम पांडेय 'शांत'

कोई भी देश संविधान से चलता है। कानून से चलता है। इसलिए कानून को हटाने में नहीं, उसे जनता के हितों के अनुरूप बनाने, उसे संशोधित-परिमार्जित करने के प्रयास होने चाहिए। भारत जैसे विविधतापूर्ण और बड़ी आबादी वाले देश के लिए जितनी जरूरत कड़े कानून निर्माण की है, उतनी ही जरूरत असहमति के अधिकारों की रक्षा की भी है। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बने टाडा, पोटा जैसे कानून को सिर्फ इसलिए खत्म करना पड़ा था क्योंकि उनका दुरुपयोग होने लगा था। आज जब देश आए दिन आतंकवादी घटनाओं का सामना कर रहा है, ऐसे में कठोर कानूनों की देश को बड़ी जरूरत है लेकिन जिस तरह मकोका, यूपीपीए और 124 ए को लेकर विवाद हो रहा है, उस पर गहन मंथन की भी जरूरत है। 124 ए ऐसी धारा है जो राजद्रोह और देशद्रोह दोनों पर लगती है। ऐसे में भी इसे परिभाषित किए जाने की महती आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने अंग्रेजों के जमाने में बने राजद्रोह कानून पर चिंता जाहिर की है। केंद्र सरकार से यह जानना चाहा है कि वह इसे हटा क्यों नहीं रही है? शीर्ष अदालत को भी लगता है कि इस कानून का दुरुपयोग हो रहा है। अभिव्यक्ति की आजादी बाधित हो रही है। जाहिर तौर पर यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ ने सेना के एक निवर्तमान अधिकारी की जनहित याचिका पर दिया है। अदालतें किसी याचिका के आलोक में ही अपनी बात कहती हैं। यह बात और है कि केंद्र सरकार ने कहा है कि वह इस कानून को हटाने नहीं जा रही है। शीर्ष अदालत चाहे तो ऐसे निर्देश दे सकती है जिससे इस कानून का दुरुपयोग न हो। लार्ड मैकाले द्वारा 1833 में ड्राफ्ट कानूनों पर अगर वर्ष 2021 में न्यायिक विमर्श की जरूरत पड़ रही है तो इसे क्या कहा जाएगा। जिस राजद्रोह कानून को उसके जन्मस्थल ब्रिटेन में 2009 में ही औचित्यहीन करार देते हुए समाप्त कर दिया गया हो, ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड ने 2010 में, दक्षिण कोरिया ने 1988 में और इंडोनेशिया ने 2007 में ही खत्म कर दिया हो, उसे भारत अभीतक क्यों ढो रहा है, यह विचारणीय तथ्य है। लार्ड मैकाले की आत्मा आखिर कबतक इस देश के कायदे-कानून पर अपना चाबुक चलाती रहेगी। हमें एक औपनिवेशिक राजद्रोह कानून की तो चिंता है लेकिन भारतीय संविधान के जरिए पूरा भारत आज भी ब्रिटेन का उपनिवेश बनकर रह गया है, इस बात का विचार न तो देश का बुद्धिजीवी करता है, न राजनेता और न ही कोई न्यायविद। इसमें शक नहीं कि इस देश को लूटने और यहां शासन करने की गरज से अंग्रेजों ने 34735 कानून बनाए थे। देश आजादी के बाद हमें उन कानूनों से पिंड छुड़ा लेना चाहिए था लेकिन उनमें से अधिकांश का अनुपालन भारत में बदस्तूर हो रहा है। इंडियन एजुकेशन एक्ट 1858 को ही हम कहाँ बदल पाए हैं। जिस कानून के चलते 1850 तक देश में चल रहे 7 लाख 32 हजार गुरुकुलों को, यहां तक कि संस्कृत भाषा को भी अवैध घोषित कर दिए गए थे।अंग्रेजी इस देश पर लाद दी गई थी, उस कानून को हम भारतीय आज तक ओढ़े-बिछाए जा रहे हैं। अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा देने लिए अंग्रजों ने जो तीन विश्वविद्यालय कलकत्ता यूनिवर्सिटी, बॉम्बे यूनिवर्सिटी और मद्रास यूनिवर्सिटी स्थापित कीं, वे हैं तो आखिर गुलामी की दस्तावेज ही लेकिन आज भी चल रही है। क्या इन्हें बंद करना मौजूदा परिवेश में उचित होगा। कलकत्ता और खासकर विक्टोरिया हाउस को प्रदूषण से बचने के लिए लाया गया द बंगाल स्मोक न्यूसेंस एक्ट 1905 तो आज भी वजूद में है। यूपी प्रोविंशियल एक्ट 1932, इंडियन पुलिस एक्ट, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872, भारतीय दंड संहिता सब तो अंग्रेजों के जमाने की है। पुलिस की खाकी वर्दी का चलन सर हैरी बैनेट ने 1847 में किया था। वह खाकी वर्दी आज भी भारतीय पुलिसकर्मियों के बदन पर है। आपत्ति तो किसी भी बिंदु पर हो सकती है। जहां तक अभिव्यक्ति कि आजादी की बात है तो यह भी तय होना चाहिए कि व्यक्ति को वही बोलना चाहिए जो जनहितकारी हो और किसी का दिल न दुखाए। देश के विकास में रोड़ा न अटकाए। विकास कार्य में व्यवधान डालने वालों, देश को टुकड़े-टुकड़े करने का दावा करने वालों, अपने घरों पर पाकिस्तानी झंडा फहराने या देश विरोधी नारे लगाने वालों, आतंकवादियों का साथ देने वालों की अभिव्यक्ति की आजादी को महत्व देना कितना जरूरी है, विचार तो इस पर भी होना है। जो राजनीतिक दल संविधान की हत्या का आरोप लगा रहे हैं, वे क्या इस देश को बताएंगे कि भारतीय संविधान की चादर पर संशोधनों के कितने पैबंद लग चुके हैं। भारतीय संविधान में भारतीय कहने के लिए क्या कुछ अपना है? वह कितना मौलिक है।संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सोवियत संघ, जापान और फ्रांस के उधार के कानूनों के आधार पर हम कबतक अपने विधि ज्ञान का बखान करते रहेंगे। भारत के अधिकांश कानून अंग्रेजों के जमाने के बने हैं। ज्यादातर के निर्माण की अवधि 1860 से 1946 के बीच की है। टोडरमल कानून के तहत पुश्तैनी काम का अधिकार का हवाला देते हुए बिहार में एक व्यक्ति ने गंगा नदी पर अपने मालिकाना हक का केस कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अशोक पांडेय नामक एक वकील ने वकीलों के कोट, गाउन और बैंड की वैधता पर सवाल उठा दिया है और कोर्ट ने इस बाबत केंद्र सरकार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया और हाइकोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा है। देश की बड़ी अदालतों में आज भी अंग्रेजों की भाषा का ही वर्चस्व है। हिंदी से न्याय आंदोलन के जनक न्यायविद चंद्रशेखर उपाध्याय लंबे अरसे से संविधान की धारा 348 में संशोधन करने और बड़ी अदालतों में हिंदी और अन्य भारतीयों भाषाओं में कामकाज और निर्णय की मांग कर रहे हैं। अगर हम भारतीयता का सम्मान करते हैं तो जनहित में इतना तो कर ही सकते हैं। कानून कोई भी बुरा नहीं होता। हम उसका उपयोग करते हैं या दुरुपयोग, अहमियत इस बात की है। सत्ता में जो भी दल होता है, वह अपने हिसाब से अपने विरोधियों को राह पर लाने के लिए कानून का डंडा भांजता है। ईमानदारी से कोई भी दल नहीं चाहता कि इस तरह के कानून समाप्त कर दिए जाएं। कानून बदलना या हटाना उतना जरूरी नहीं है जितना यह जरूरी है कि लोग आत्मानुशासित हों। कानून के फंदे में फंसने जैसा कोई काम न करें। अपने काम से काम रखें। दोष निकलना आसान होता है। सुधार कैसे हो, व्यवस्था ने बदलाव कैसे हो, विमर्श तो इस पर होना चाहिए।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निवेशकों ने जून तिमाही में गोल्ड ETF में किया 1,328 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली: निवेशकों ने गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेट कोषों (ईटीएफ) में जून, 2021 को समाप्त तिमाही में 1,328 करोड़ रुपए का निवेश किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष के शेष महीनों में निवेश का यह प्रवाह जारी रहेगी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। पिछले साल समान तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का आंकड़ा 2,040 करोड़ रुपए रहा था। क्वॉन्टम म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ कोष प्रबंधक (वैकल्पिक निवेश) चिराग मेहता ने कहा कि कोविड-19 महामारी की स्थिति को देखते हुए पिछले साल जून तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश उल्लेखनीय रहा था। ''इस साल जून की तिमाही में अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद के बीच निवेश का प्रवाह कुछ कम रहा है। मार्केट पल्स के मुख्य उत्पाद अधिकारी अरशद फहीम ने कहा कि पिछले साल गोल्ड ईटीएफ में महामारी की वजह से संपत्ति की कीमतों को लेकर अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति की वजह से निवेश बढ़ा था। इसी तरह की राय जताते हुए ग्रीन पोर्टफोलियो के सह-संस्थापक दिवम शर्मा ने कहा कि 2020-21 की पहली छमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह काफी मजबूत रहा था। कोविड-19 की पहली लहर के बीच अनिश्चितता के चलते गोल्ड ईटीएफ की ओर निवेशक आकर्षित हुए थे। उन्होंने कहा, ''कारोबारी गतिविधियां शुरू होने तथा शेयर बाजारों के शानदार प्रदर्शन की वजह से अब निवेशक सोने से निवेश को स्थानांतरित कर रहे हैं। बिटकॉइन की वजह से भी सोने में आवंटन प्रभावित हुआ है। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, 2021 के पहले तीन माह में गोल्ड ईटीएफ में 1,779 करोड़ रुपए का निवेश आया। उसके बाद के तीन महीनों में निवेश का आंकड़ा 1,328 करोड़ रुपए रहा। निवेश का प्रवाह घटने के बावजूद गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) जून, 2021 के अंत तक बढ़कर 16,225 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। जून, 2020 के अंत तक एयूएम 10,857 करोड़ रुपए रहा था।

ऐमजॉन प्राइम डे पर लघु एवं मझोले उद्यम के लिए यह है बड़ी योजना

-100 से अधिक एसएमबी की विभिन्न श्रेणियों में 2,400 नए उत्पाद करेंगे पेश

नई दिल्ली। ऐमजॉन इंडिया ने कहा है कि प्राइम डे के लिए 100 से अधिक लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमबी) विभिन्न श्रेणियों में 2,400 नए उत्पाद पेश करेंगे। इन एसएमबी में स्टार्टअप इकाइयां, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं। ऐमजॉन इस प्रमुख सेल कायक्रम का आयोजन भारत में 26-27 जुलाई को करने जा रही है। ई-कॉमर्स कारोबार की दिग्गज कंपनी ऐमजॉन ने रविवार को एक बयान में कहा, 100 से अधिक एसएमबी जिनमें स्टार्ट अप और ब्रांड, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं, विभिन्न श्रेणियों में 2,400 से अधिक उत्पाद पेश करेंगे। इनमें होम और किचन, फैशन, सौंदर्य, आभूषण, स्टेशनरी, लॉन और बगीचा, किराना और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि 450 से अधिक शहरों के ऐमजॉन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार विक्रेता प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। ऐमजॉन इंडिया के निदेशक प्रणव भसीन ने कहा, छोटे कारोबारियों को सशक्त करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए हम इस बार प्राइम डे एसएमबी को समर्पित कर रहे हैं। ऐमजॉन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। सेल का आगाज 26 जुलाई को होगा। 26 से 27 जुलाई यानी दो दिन तक चलने वाली इस सेल में स्मार्टफोन्स को 40 फीसदी तक छूट में खरीदने का मौका होगा। ऐमजॉन प्राइम डे सेल 2021 सेल में रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स को भी सस्ते में खरीदा जा सकेगा। इस सेल के लिए ऐमजॉन ने एचडीएफसी बैंक के साथ साझेगारी की है। दो दिनों के सेल के दौरान ग्राहकों को कई सारे डील्स और डिस्काउंट्स मिल सकते हैं जिसमें स्मार्टफोन की डील भी शामिल है। ऐमजॉन प्राइम डे सेल को हर साल ऐमजॉन सबसे पहले प्राइम मेंबर्स के लिए लेकर आता है जिसमें ग्राहकों को अलग अलग डील्स पर फायदा मिलता है।

एफपीआई ने जुलाई में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 4,515 करोड़ रुपये निकाले

-चिंता की जरूरत नहीं, इस दौरान निवेशकों ने ऋण या बांड बाजार में 3,033 करोड़ रु डाले भी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से 4,515 करोड़ रुपये निकाले हैं। इस दौरान भारतीय बाजार के प्रति एफपीआई का रुख सतर्कता भरा रहा है। मॉर्निंगस्टोर इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, इस समय बाजार अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर है। ऐसे में एफपीआई ने मुनाफा काटने का विकल्प चुना है। ऊंचे मूल्यांकन की वजह से भी वे अधिक निवेश नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा महामारी की संभावित तीसरी लहर के जोखिमों को लेकर भी वे सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि डॉलर में लगातार मजबूती तथा अमेरिका में बॉन्ड पर प्राप्ति बढ़ने की संभावना भारत जैसे उभरते बाजारों में पूंजी प्रवाह की दृष्टि से अच्छी नहीं है, लेकिन इसको लेकर तत्काल चिंता करने की जरूरत नहीं है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने एक से 16 जुलाई के दौरान शेयरों से 4,515 करोड़ रुपये की निकासी की। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 3,033 करोड़ रुपये डाले भी। इस दौरान उनकी शुद्ध निकासी 1,482 करोड़ रुपये रही। जून में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 13,269 करोड़ रुपये डाले थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि 2021 में अभी तक एफपीआई की गतिविधियां काफी उतार-चढ़ाव वाली रही हैं।

पेट्रोल पंप की डीलरशिप के लिए फेक ऑफर से रहें सावधानः इंडियन ऑयल

मुंबई। इंडियन ऑयल न लोगों को चेताया है कि य दि आपके पास पेट्रोल पंप की डिस्ट्रीब्यूटरशिप को लेकर कोई ऑफर आया है तो सावधान हो जाएं। यह ऑफर फर्जी हो सकता है और आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है। इंडियन ऑयल ने एक ट्वीट के जरिए इस बारे में बताया है। इंडियन ऑयल ने कहा है कि ऐसा पता चला है कि अनाधिकृत लोग/एजेंसी इंडियन ऑयल के रिटेल आउटलेट्स यानी पेट्रोल पंप की डीलरशिप के लिए फेक ऑफर दे रहे हैं। इन फर्जी ऑफर के झांसे में न आएं, वर्ना भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इंडियन ऑयल ने ट्वीट में आगे कहा कि रिटेल आउटलेट से जुड़े ऑफर की सच्चाई जानने के लिए लोग कंपनी के निकटतम कार्यालय जा सकते हैं या फिर कंपनी की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। पेट्रोलपंपडीलर चयनडाटइन पोर्टल अकेले इंडियन ऑयल के लिए नहीं है, यह बाकी पेट्रोलियम कंपनियों के लिए भी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल अगर रिटेल आउटलेट के लिए डिस्ट्रीब्यूटरशिप की पेशकश करती हैं तो इसकी जानकारी वेबसाइट पर अपडेट की जाती है।

सीबीआई ने एस कुमार्स नेशनवाइड के खिलाफ 160 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ धोखाधड़ी के आरोप में कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला 160 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का है। सीबीआई ने यह मामला बैंक की शिकायत के बाद दर्ज किया है। बैंक का आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कंपनी और उसके प्रवर्तक और निदेशकों सहित प्रबंध निदेशक नितिन कासलीवाल और निदेशक विजय गोवर्धनदास कलंत्री, अनिल कुमार चन्ना, राजिंदर कृष्ण गर्ग और जगदीश संजीव रेड्डी शामिल हैं। बैंक के अनुसार एस कुमार्स नेशनवाइड ने बैंक से कई ऋण सुविधाएं ली हुई थीं, जो में गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में बदल गईं। केपीएमजी के फॉरेंसिक ऑडिट के बाद 2020 में इस खाते को 'धोखाधड़ी' वाला घोषित कर दिया गया था। बैंक का कहना है कि कंपनी ने अपनी 94 प्रतिशत बिक्री कुछ चुनिंदा वितरकों को ही दिखाई है और ग्राहकों से प्राप्तियों को बट्टे खाते में डालकर और संदिग्ध पुनः बिक्री लेनदेन को उसी ग्राहक के पास काफी रियायती दर पर दिखाया है। प्राथमिकी में बैंक ने आरोप लगाया है कि कंपनी और उसके निदेशकों ने 2013-2018 की अवधि के दौरान बैंक को गलत तरीके से 160.68 करोड़ रुपए नुकसान पहुंचाया और खुद लाभ कमाया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 69,611 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी):

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 69,611.59 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक तथा कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. तथा बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 24,470.25 करोड़ रुपए बढ़कर 13,38,763.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 14,966.52 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,57,268.94 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 10,998.18 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 8,41,000.85 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी की 7,259.12 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,58,109.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,027.27 करोड़ रुपए के लाभ से 3,47,027.74 करोड़ रुपए पर और भारतीय स्टेट बैंक का 5,890.25 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,83,936.79 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 8,223.56 करोड़ रुपए घटकर 5,67,331.72 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 4,845.75 करोड़ रुपए घटकर 11,81,717.45 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,642.4 करोड़ रुपए घटकर 6,62,287.84 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का 570.4 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,69,810.18 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस तथा कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 753.87 अंक या 1.43 प्रतिशत के लाभ में रहा।

वैश्विक स्तर पर महामारी की स्थिति में सुधार के बाद पहली तिमाही में देश से वाहनों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी):

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बाजारों में महामारी की स्थिति में सुधार के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश से यात्री कारों और दोपहिया से लेकर सभी वाहनों के निर्यात में सुधार दर्ज हुआ। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में देश से कुल वाहन निर्यात बढ़कर 14,19,430 इकाई पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 4,36,500 इकाई का रहा था। उस समय देश में कोविड-19 महामारी की वजह से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू था, जिससे वाहनों का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि जहां दोपहिया का निर्यात पिछले तीन साल की तुलना में बेहतर रहा है, वहीं यात्री वाहनों, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात अभी 2018-19 की पहली तिमाही के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, ''यदि हम 2021-22 के निर्यात के आंकड़ों की तुलना करें, तो दोपहिया का प्रदर्शन पिछले तीन साल की तुलना में अच्छा रहा है। हालांकि, यात्री वाहनों, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 2018-19 की पहली तिमाही से कम रहा है। अप्रैल-जून की तिमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 1,27,115 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 43,619 इकाई रहा था। इस दौरान यात्री कारों का निर्यात 79,376 इकाई, यूटिलिटी वाहनों का 47,151 इकाई तथा वैन का निर्यात 588 इकाई रहा। यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी ने 45,056 वाहनों का निर्यात किया। हुंदै मोटर का निर्यात 29,881 इकाई रहा। किआ मोटर्स ने इस दौरान 12,448 इकाई तथा फॉक्सवैगन इंडिया ने 11,566 वाहनों का निर्यात किया। तिमाही के दौरान दोपहिया का निर्यात बढ़कर 11,37,102 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,37,983 इकाई रहा था। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात बढ़कर 16,006 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,870 इकाई था। इस खंड में टाटा मोटर्स ने 6,653 वाहनों तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 3,931 वाहनों का निर्यात किया। पहली तिमाही में तिपहिया वाहनों का निर्यात बढ़कर 1,37,582 इकाई पर पहुंच गया, जो 2020-21 की पहली तिमाही में 50,631 इकाई रहा था। सभी श्रेणियों में घरेलू बाजार में थोक बिक्री पहली तिमाही में 31,80,039 इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 14,92,612 इकाई रही थी। इसकी तुलना में 2019-20 की पहली तिमाही में घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री 60,84,478 इकाई रही थी।

प्रौद्योगिकी पर 85 प्रतिशत अनुपालन पूरा, प्रतिबंध हटाने को गेंद रिजर्व बैंक के पाले में: एचडीएफसी बैंक

मुंबई (एजेंसी):

एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने शनिवार को कहा कि बैंक ने प्रौद्योगिकी से जुड़े भारतीय रिजर्व बैंक के 85 प्रतिशत निर्देशों का अनुपालन पूरा कर लिया है और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर लगी रोक को हटाने को लेकर गेंद अब रिजर्व बैंक के पाले में है। जगदीशन ने देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक के कार्यकारी प्रमुख के तौर पर उसकी पहली वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी को लेकर जांच पूरी हो चुकी है और केंद्रीय बैंक अब बैंक के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को हटाने के समय को लेकर स्वतंत्र रूप से विचार करेगा। गौरतलब है कि एचडीएफसी बैंक में प्रौद्योगिकी से जुड़ी खामियों के चलते रिजर्व बैंक ने दिसंबर, 2020 में ऋणदाता के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई करते हुए उसके द्वारा नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी। एचडीएफसी बैंक इस क्षेत्र में बाजार का अगुआ था। साथ ही बैंक पर किसी भी तरह की नई डिजिटल पेशकश लाने पर भी रोक लगाई गई थी। जगदीशन ने कहा, हमने नियामक (रिजर्व बैंक) के परामर्शों एवं निर्देशों का पालन करते हुए प्रौद्योगिकी को लेकर की जा रही हमारी कार्रवाई के लिहाज से एक मिसाल पेश की है। इस समय तक हमने एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है। हमसे जो अपेक्षित था, उसका करीब 85 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा, गेंद अब नियामक के पाले में है। वे जैसा ठीक समझेंगे, वे जैसे देखेंगे कि हम सही राह पर है, मुझे यकीन है कि एक समय, वे रोक को हटा लेंगे।

जून में ज्यादातर क्षेत्रों में नियुक्ति गतिविधियां बढ़ीं: रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी):

देश में धीरे-धीरे लॉकडाउन हटाए जाने के साथ जून में ज्यादातर क्षेत्रों में नियुक्ति की गतिविधि में सकरात्मक वृद्धि दर्ज की गई। जॉब पोर्टल साइकी मार्केट नेटवर्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में नियुक्ति गतिविधियों में सुधार देखा गया, जो गैर-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भी सुधार का संकेतक है। यह आकलन जून में नई नौकरियों के लिए सूचीबद्धता पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया कि अब तक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र नौकरियों के लिहाज से तेज रफ्तार से बढ़ रहा था लेकिन जून में बाकी कई क्षेत्रों में भी नियुक्ति की गतिविधियों में सुधार दिखा। यह रिपोर्ट साइकी मार्केट नेटवर्क के जॉब पोर्टल पर डाली गई नियुक्ति संबंधी आंकड़ों पर आधारित है। इसके अलावा आंकड़े से पता चलता है कि मई की तुलना में जून में बैंकिंग क्षेत्र में नियुक्तियों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नियुक्ति के लिहाज से आईटी एवं बीपीओ जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों में 18-18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जबकि फार्मा क्षेत्र में यह वृद्धि 16.9 प्रतिशत, स्वास्थ्य क्षेत्र में 20 प्रतिशत, बीमा क्षेत्र में 12 प्रतिशत, खुदरा क्षेत्र में पांच प्रतिशत, शिक्षा क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत और एफएमसीजी क्षेत्र में 16 प्रतिशत थी। इसके अलावा बिक्री, मानव संसाधन, विपणन आदि क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, दूरसंचार क्षेत्र में इस साल मई की तुलना में जून में नियुक्तियों में आठ प्रतिशत की कमी हुई। इसी बीच मुंबई (12 प्रतिशत), पुणे (छह प्रतिशत), दिल्ली (एक प्रतिशत), चेन्नई (12 प्रतिशत), हैदराबाद (12 प्रतिशत) और कोलकाता (20 प्रतिशत) जैसे टियर-1 शहरों में मई की तुलना में जून में नियुक्ति की गतिविधियों में दो अंकीय मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इन शहरों में पहले कई बार लॉकडाइन लगाए गए थे। हालांकि, बेंगलुरु में नियुक्ति गतिविधियां दो प्रतिशत की घट गईं। जयपुर और अहमदाबाद जैसे दूसरी श्रेणी के शहरों में भी क्रमशः 30 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। कंपनी के सह संस्थापक करुणजीत कुमार धीर ने कहा, पिछले महीने नियुक्ति गतिविधियों ने जोर पकड़ा जिससे रोजगार की तलाश में लगे लोगों को कुछ राहत मिली। महामारी की वजह से आयी मंदी से आखिरकार नौकरियों के बाजार को एक सही रफ्तार से उबरते देखकर अच्छा लग रहा है। लॉकडाउन लगने के बाद से यह ज्यादातर क्षेत्रों के लिए एक बुरा दौर था। हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में यह सुधार और मजबूत होगा।

'वी' आकार का सुधार देख रहे हैं, 2021 में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करेंगे: लैम्बोर्गिनी

नई दिल्ली (एजेंसी):

इटली की सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी लैम्बोर्गिनी इस साल बिक्री के मामले में भारत में रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 महामारी से जुड़ी अड़चनों के बाद अब मांग में 'वी' आकार का सुधार देखने को मिल रहा है। टीकाकरण अभियान के बीच धारणा सकारात्मक हुई है। कंपनी भारतीय बाजार में 3.15 करोड़ रुपए से लेकर 6.33 करोड़ रुपए कीमत की सुपर लक्जरी कारें बेचती है। कंपनी ने 2019 में 52 इकाइयों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया था। कंपनी को उम्मीद है कि 2021 में वह इस आंकड़े को पीछे छोड़ देगी। इस साल कंपनी के कारोबार में अबतक 2019 की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। लैम्बोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा, ''हम वी आकार का मजबूत सुधार देख रहे हैं। मांग अब कोविड-19 की दूसरी लहर के पूर्व के स्तर पर पहुंच रही है। इसके अलावा टीकाकरण अभियान में तेजी के बीच भरोसा भी बढ़ रहा है।अग्रवाल ने कहा कि कंपनी अपने 2019 के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सही दिशा में अग्रसर है। 'यदि 2021 की पहली छमाही को देखें, तो हम चालू साल के लक्ष्य से पहले ही 20 प्रतिशत आगे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 की पहली छमाही की तुलना में हम नए ऑर्डरों के मामले में 20 प्रतिशत आगे हैं।

इसी तरह ग्राहकों को डिलिवरी के मामले में भी हम 20 प्रतिशत आगे चल रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि हम कारोबारी प्रदर्शन के लिहाज से एक और रिकॉर्ड वर्ष के लिए सही राह पर हैं। उन्होंने कहा कि 2021 की दूसरी तिमाही में महामारी की दूसरी लहर की चुनौती के बावजूद हम वृद्धि की दृष्टि से सही दिशा में हैं।

सैमसंग वॉच 4 सीरीज नए चिपसेट, अधिक स्टोरेज के साथ होगा लॉन्च

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरियाई टेक कंपनी सैमसंग अपनी अपकमिंग गैलेक्सी वॉच4 सीरीज की स्मार्टवॉच को बिल्कुल नए एक्सिनॉस वॉट920 चिपसेट के साथ 11 अगस्त को लॉन्च कर सकती है। सैममोबाइल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नए चिपसेट में पहले के कम्पैरिजन में बेहतार लाभ मिलेगा। उदाहरण के लिए, 2018 की गैलेक्सी वॉच की सभी सैमसंग घड़ियों ने 10एनमएक्सिनॉस 9110 का उपयोग किया है। नई रिपोर्ट बतात है कि वॉट920 ओएस एक्सिनॉस 9110 की तुलना में 1.25ऐस फास्ट प्रोसेसर टाइम और 8.8ऐस स्मूथ ग्राफिक्स प्रदर्शन दिया गया है। जीएसएमअरेना ने बताया कि नया चिपसेट 1.5जीबी रैम के साथ जोड़ा जाएगा जो कि पिछली गैलेक्सी वॉच की तुलना में एक और अपग्रेड है। ज्यादा पॉवर के साथ, गैलेक्सी वॉच 4 सीरीज में गूगल के वेयर ओएस फील के आधार पर वन यूआई वॉच बनाया गया है। बैटरी भी स्मूथ परफॉर्म करेगी। इस वॉच मे दोगुनी स्टोरेज भी दिया गया है। बात दें कि गैलेक्सी वॉच3 सीरीज में 8जीबी का इंटरनल स्टोरेज थी। वही अपग्रेड वॉच 4 में 16 जीबी के साथ पेश किया गया है। सैमसंग के स्मार्ट वॉच नए वन यूआई वेयर ओएस पर आधारित है,जिसकी वजह से गूगल प्ले स्टोर से ज्यादा ऐप्स डाउनलोड किया जा सकता है और ऑडियो ट्रैक ऐप्स भी स्टोर कर सकते है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोक्यो में मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का साथ देगा भाग्य : धनराज पिल्लई

नई दिल्ली । लगातार चार ओलिम्पिक खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रहे दिग्गज स्ट्राइकर धनराज पिल्लई का मानना है कि टोक्यो में भाग्य मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ हो सकता है। 52 वर्षीय धनराज ने कहा कि हमारे पास 1992 से 2004 के बीच हर बार सर्वश्रेष्ठ टीम थी, लेकिन दुर्भाग्यवश हम शीर्ष स्थान पर खेल समाप्त नहीं कर सके। मुझे लगता है कि हमने हर ओलंपिक खेलों में यह गलती की थी कि हम मैच-दर-मैच लेने के बजाय फाइनल के लिए लक्ष्य बनाने के दिमाग में चले गए। टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 दिनों से भी कम समय बचा है। इस बीच हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी धनराज ने हॉकी इंडिया की फ्लैशबैक सीरीज के ग्यारहवें लेख में 1992 में अपने पहले ओलंपिक खेलों के दिलचस्प और 2000 में सिडनी ओलंपिक में सेमीफाइनल बर्थ से चूक जाने के किस्से को याद किया है। 1989 में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद बालकृष्ण सिंह द्वारा प्रशिक्षित 1992 के ओलंपिक टीम में चुने गए धनराज ने किस्से साझा करते हुए कहा कि मैं टीम में जूनियर था। अजीत लाकड़ा और मैं शायद 1992 के बार्सिलोना ओलंपिक के लिए उस टीम में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। ओलिम्पिक में खेलना मेरा हमेशा से सपना था। इसके लिए मैंने वाकई बहुत मेहनत की।

ओलंपिक में जोकोविच, सितसिपास, ओसाका और बार्टी पर होगी नजर

लंदन।

कई हाई प्रोफाईल टेनिस खिलाड़ियों के हटने के बाद संशोधित सूची में विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच, स्टेफानोस सितसिपास, एलेक्सजांद्रे ज्वेरेव और डेनिल मेदवेदेव के नाम शामिल हैं और इन खिलाड़ियों पर सभी की नजरें होंगी। जोकोविच के हाथों फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार चुके सितसिपास अपने ओलंपिक डेब्यू को यादगार बनाना चाहेंगे जबकि विश्व के नंबर-1 रूस के मेदवेदेव का भी यह पहला ओलंपिक होगा।इनके अलावा पुरुषों में दो बारे के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के एंडी मरे, जर्मनी के ज्वेरेव और अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्टज्मैन भी अपनी-अपनी चुनौती पेश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण ओलंपिक से हट गए हैं।2012 लंदन और 2016 रियो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत चुके एंडी मरे पुरुष और युगल वर्ग में अपने चौथे ओलंपिक में भाग लेने के लिए तैयार हैं। इससे पहले, स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर, स्पेन के राफेल नडाल, स्टांइसलास वावरिंका, डॉमिनिक थीम, डेनिस शापोवालोव, निक किर्गियोस, डेविड गोफिन, मिलोस राओनिक, वासेक पोसपिसिल और डान इवांस ने ओलंपिक से नाम वापस ले लिया था। इन बड़े खिलाड़ियों के ओलंपिक से नाम वापस लेने से सबसे ज्यादा फायदा भारत के सुमित नागल को हुआ जिन्होंने टोक्यो के लिए क्वालीफाई कर लिया। महिला वर्ग में विंबलडन चैंपियन एश्ले बार्टी, ऑस्ट्रेलिया ओपन की विजेता नाओमी ओसाका और फ्रेंच ओपन चैंपियन चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजकिकोवा पर सभी की नजरें होंगी। महिलाओं में सेरेना विलियम्स, विक्टोरिया अजारेंका, एंगेलिक्के केरबेर, सिमोना हालेप और बियांका आंद्रेस्कू जैसे खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक से हटने का फैसला किया था। ओलंपिक में टेनिस इवेंट 24 जुलाई से एक अगस्त तक चलेगा।

ओलंपिक खेल : भारत से एथलीटों का पहला जत्था टोक्यो पहुंचा

टोक्यो।

भारत से एथलीटों का पहला जत्था रविवार को टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए जापान की राजधानी पहुंच गया। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 88 सदस्यीय दल को गर्मजोशी के साथ विदा किया था। दीपिका कुमारी, अतनु दास, प्रवीण जाधव और तरुणदीप राय की तीरंदाजी टीम का जापान के मेजबान शहर कुरोबे में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। टेबल टेनिस टीम, जिसमें शरत कमल, जी. साथियान, मनिका बत्रा और सुतीर्थ मुखर्जी शामिल हैं, को हनेडा हवाई अड्डे पर साजन प्रकाश, श्रीहरि नटराज और माना पटेल की तैराकी टीम के साथ देखा गया।पीवी सिंधु, बी साई प्रणीत, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी की बैडमिंटन टीम ने हवाई अड्डे पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद थम्प्सअप के निशान के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अमित पंघल, मनीष कौशिक, विकास कृष्ण, आशीष कुमार, सतीश कुमार, एमसी मैरी कॉम, सिमरनजीत कौर, लवलीना बोरगोहेन और पूजा रानी से सजी बॉक्सिंग टीम इटली के असीसी में अपने प्रशिक्षण कैम्प से सीधे टोक्यो पहुंची। भारोत्तोलन, निशानेबाजी, नौकायन और नौकायन जैसे खेलों से जुड़े कुछ भारतीय एथलीट कुछ दिन पहले दुनिया भर के अपने प्रशिक्षण कैम्प्स से टोक्यो पहुंचे थे। 2016 में रियो ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था लेकिन इस साल कुल 127 भारतीय एथलीटों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

एंडरसन और ब्रूक्सबी में होगा हॉल ऑफ फेम ओपन का खिताबी मुकाबला

न्यूपोर्ट । अमरीका के जेनसन ब्रूक्सबी ने जोर्डन थामसन को सीधे सेटों में हराकर हॉल ऑफ फेम ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन से होगा। अमरीका के 20 वर्षीय खिलाड़ी ने थामसन को 6-3, 7-6 (3) से हराया जबकि एंडरसन ने पहले सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्सांद्र बुबलिक को तीन सेट तक चले मैच में 4-6, 7-6 (3), 7-5 से पराजित किया। ब्रूक्सबी न्यूपोर्ट के घसियाले कोर्ट पर होने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे युवा खिलाड़ी हैं। यह उत्तर अमेरिका का एकमात्र टूर्नामेंट है जिसे घसियाले कोर्ट पर खेला जाता है। ब्रूक्सबी पहली बार एटीपी टूर फाइनल में खेलेंगे जबकि 35 वर्षीय एंडरसन अपने सातवें टूर खिताब के लिये कोर्ट पर उतरेंगे।

तीरंदाजी में नॉकआउट मैचों के दौरान तनाव के स्तर पर नजर रखेंगे कैमरे

तोक्यो ।

दुनिया की नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी पर ओलंपिक में हमेशा तनाव हावी हो जाता है लेकिन विश्व तीरंदाजी की पहल के तहत युमेनोशिमा पार्क में आगामी तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान उनके तनाव के स्तर और दिल की धड़कन को नॉकआउट दौर के दौरान टीवी पर 'लाइव' देखा जा सकता है। शुक्रवार से शुरू हो रहे खेलों के दौरान यह तकनीक उन चीजों में शामिल है जिसका पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है। विश्व तीरंदाजी के अधिकारी ने यहां बताया कि पैनासोनिक की दिल की धड़कन को मापने वाली तकनीक के तहत पहली बार कैमरे के जरिए तीरंदाज के दिल की धड़कन मापी जाएगी और दर्शकों के लिए इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। तीरंदाजों को हालांकि यह आंकड़े देखने को नहीं मिलेंगे क्योंकि यह सिर्फ टीवी दर्शकों के लिए हैं। अधिकारी ने बताया, 'कैमरे रक्त प्रवाह में बदलाव के कारण चेहरे की त्वचा के रंग और आकार में बदलाव पर नजर रखेंगे। इसके जरिए हम दिल की धड़कन पता कर सकते हैं और उससे तनाव का स्तर।' उन्होंने कहा, 'यह दर्शकों को तनाव का स्तर दिखाएगा, बताएगा कि निर्णायक शॉट से पहले तीरंदाज के तनाव का स्तर, दिल की धड़कन बढ़ी या नहीं।' विश्व तीरंदाजी ने निजी तौर पर इस तकनीक का ट्रायल किया है लेकिन स्क्रीन पर इसे कभी नहीं दिखाया गया। लगातार तीसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रही पदक की प्रबल दावेदार दीपिका लंदन ओलंपिक में नॉकआउट के पहले दौर में बाहर हो गईं थी जबकि पांच साल पहले रियो में वह एक बार फिर दबाव में बिखर गईं और तीसरे दौर में सीधे सेटों में हार गईं। साथ ही पहली बार क्वालीफिकेशन के दौरान सामाजिक दूरी बनाने के लिए सभी 64 तीरंदाजों के लिए अलग अलग लक्ष्य बनाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि तीरंदाजी ओलंपिक में इस बार पहला खेल होगा जिसमें 'बॉयोमीट्रिक' आंकड़ों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसजेंडर भारोत्तोलक को न्यूजीलैंड ने दिया पूरा समर्थन

टोक्यो। न्यूजीलैंड ओलंपिक समिति के संचार निदेशक एशले एबॉट ने कहा है कि वे ट्रांसजेंडर भारोत्तोलक लॉरेल हबर्ड को ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली पहली ट्रांसजेंडर एथलीट बनने में पूरा समर्थन करेंगे। न्यूजीलैंड ने टोक्यो में आगामी ओलंपिक के लिए हबर्ड को अपनी महिला भारोत्तोलन रोस्टर में नामित किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 43 वर्षीय 87 किग्रा वर्ग में महिलाओं की श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करेंगी। एबट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम लॉरेल के साथ वास्तव में निकटता से काम कर रहे हैं, जैसा कि हम किसी भी एथलीट के साथ करते हैं। हम उसके साथ काम करना जारी रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उसे हर समय समर्थन मिले। हबर्ड ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के योग्य हो गईं जब 2015 में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अपने नियमों को बदल दिया, जिससे ट्रांसजेंडर एथलीटों को एक महिला के रूप में प्रतिस्पर्धा करने की इजाजत मिली। बशर्ते उनके टेस्टोस्टेरोन का स्तर उनकी पहली प्रतियोगिता से कम से कम 12 महीने पहले एक निश्चित सीमा से नीचे हो। हूबार्ड ने जून में एक बयान में कहा, इतने सारे न्यूजीलैंडवासियों द्वारा मुझे जो दया और समर्थन दिया गया है, उसके लिए मैं आभारी और विनम्र हूं।

टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए इवानसेविक, मार्टिनेज

लंदन। पूर्व विंबलडन चैंपियन गोरान इवानसेविच शनिवार शाम को वर्चुअल समारोह के दौरान टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले क्रोएशियाई खिलाड़ी बन गए हैं। पूर्व विश्व नंबर-2, जो वर्तमान विश्व नंबर-1 नोवाक जोकोविच के कोचिंग स्टाफ में से एक है, ने 22 टूर-स्तरीय ट्राफियां जीतने के अलावा, 2001 में विंबलडन का पुरुष एकल खिताब जीता था। इवानसेविक, एक बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी होने के बावजूद, अपने करियर के अंतिम छोर पर ऑल इंग्लैंड क्लब में जीतने से पहले कई मौकों पर अपने आक्रामक स्वभाव के कारण खिताब से दूर हुए। गोरान ने कहा, मेरे जीवन में पहली बार, मैं कह सकता हूं कि मुझे खुद पर गर्व है। मेरा प्रशंसक बनना आसान नहीं था। यह निराशाजनक था, यह दुखद था, शायद मेरी वजह से बहुत से लोगों का तलाक हो गया। लेकिन एक बात यह है कि निश्चित रूप से: मेरा प्रशंसक बनना मनोरंजक था। इवानसेविच विंबलडन जीतने वाले एकमात्र वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी हैं। शनिवार को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए अन्य लोगों में 1994 विंबलडन एकल चैंपियन स्पेन की कोंचिता मार्टिनेज और दक्षिण अफ्रीका में जन्मे अमेरिकी टेनिस प्रशासक डेनिस वान डेर मीर शामिल हैं, जिनका 2019 में निधन हो गया था।

फीडे विश्व कप शतरंज : भारत के युवा निहाल और प्रग्गानंधा कर रहे सभी को प्रभावित

सोच्ची , रूस (निकलेश जैन)

फीडे विश्व कप शतरंज के दूसरे दौर के क्लासिकल मुकाबलों के समापन के साथ ही 12 भारतीय खिलाड़ियों मे 6 खिलाड़ी पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती ,हरिका द्रोणावल्ली, अधिबन भास्करन , निहाल सरीन और प्रग्गानंधा तीसरे दौर प्रवेश कर लिया है जबकि दो राउंड के बाद छह भारतीय खिलाड़ी अरविंद चितांबरम ,पी इनियन , गुकेश डी , पदमिनी राऊत समेत भक्ति कुलकर्णी और आर वैशाली की टूर्नामेंट से विदाई हो गयी है ।सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया भारत के सबसे युवा खिलाड़ी 16 वर्षीय निहाल सरीन और 15 वर्षीय प्रग्गानंधा नें उन्होने क्रमशः अपने से अधिक वरीयता के रूस के सनन सुज्गिरोव को 1.5-0.5 और अर्मेनिया के सेरगिसयान गेब्रियल को 2-0 से मात दी ।निहाल तो इस जीत के के साथ लाइव रेटिंग मे 2660 अंको पर जा पहुंचे है जो इस उम्र का नया भारतीय रिकॉर्ड है और जिस अंदाज में वह खेल रहे है आने वाले समय में वह कई विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते है । प्रग्गानंधा की बात करे तो वह भी ज्यादा पीछे नहीं है और वह निहाल के ठीक पीछे चलकर 2650 के करीब पहुँचने की पूरी कोशिश में है । जिस अंदाज में निहाल अपने मोहरो को बेहतर करते है और जैसे प्रग्गानंधा बेखौफ आक्रमण करते है दोनों के खेल के लाखो मुरीद हो रहे है ।

इन दोनों को देखकर पूरी दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी यही कह रहे है की भारतीय शतरंज का भविष्य बहुत उज्ज्वल है ! अब देखना है की इस विश्व कप में इनका सफर कहाँ तक जाता है !

मुझे लापरवाही पर अंकुश लगाना होगा : लिविंगस्टोन

नॉटिंघम।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच में इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बने बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन का कहना है कि उन्हें लगता है कि उनको अपनी लापरवाही पर अंकुश लगाना होगा। अगर वह टीम में स्थायी रूप से जगह बनाना चाहते हैं तो निरंतरता बनाए रखनी होगी। लिविंगस्टोन ने शुक्रवार को खेले गए पहले टी20 मुकाबले में 43 गेंदों पर छह चौकों और नौ छक्कों के दम पर 103 रन बनाए थे। लिविंगस्टोन ने क्रिकइंफो से कहा, पूरे करियर के दौरान मैं थोड़ा लापरवाह रहा हूं। मैं स्ट्राइक रखने की क्षमता रखता हूं लेकिन मुझे निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। यह तकनीकी चीज है लेकिन दबाव के समय में शांत रहने के लिए इससे मानसिक रूप से मदद मिलती है। क्रिकेटर ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले इंग्लैंड टीम में सात कोरोन मामलों का पता चलने के बाद 10 दिनों के आईसोलेशन ने उन्हें टी20 की सीरीज के लिए तैयार होने का मौका दिया। लिविंगस्टोन ने कहा, 10 दिनों तक क्रिकेट को भूलकर आराम करना अच्छा था, इससे मुझे थोड़ा समय मिला। मैंने 10 दिनों तक बल्ला नहीं पकड़ा था लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ अपना प्रदर्शन किया जो काफी अच्छा था।

नीदरलैंड के दिग्गज अर्जेन रॉबेन दूसरी बार हुए रिटायर

नई दिल्ली । अर्जेन रोबेन ने 37 साल की उम्र में दूसरी बार फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। नीदरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने 2019 में संन्यास ले लिया था। लेकिन वह अपने पहले क्लब ग्रोनिंगन में लौट आए थे। चोटों और कोरोनावायरस महामारी के कारण इस फुटबॉलर को संन्यास लेना पड़ा। रॉबेन ने शानदार करियर के दौरान दो प्रीमियर लीग खिताब, दो लीग कप और चेल्सी के साथ एक एफए कप जीता। उन्होंने पीएसवी आइंडहोवन, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख में भी खेला और 37 गोल करके अपने देश के लिए 96 कैप जीते। उन्होंने ट्विटर पर लिखा- मैंने अपने सक्रिय फुटबॉल करियर को समाप्त करने का फैसला किया है, यह एक बहुत ही कठिन विकल्प था। मैं सभी को उनके हार्दिक समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं!

मौजूदा समय में निशानेबाज पदक के बारे में सोचते हैं: गगन नारंग

नई दिल्ली।

ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग का मानना है कि रियो खेलों (2016) में निराशाजनक प्रदर्शन के पांच साल बाद भारतीय निशानेबाजों का 'मजबूत' दल टोक्यो खेलों में सफलता हासिल करने के लिए तैयार है, बशर्ते उनका ध्यान ना भटके। लंदन ओलंपिक (2012) में कांस्य पदक जीतने वाले इस राइफल निशानेबाज ने कहा कि पदक के लिए थोड़ी किस्मत की भी जरूरत होगी। नारंग ने कहा कि हमारे समय में, शुरुआती दिनों में, हम फाइनल में जगह बनाने के बारे में सोचते थे, फिर अगले मुकाबले पर ध्यान लगाते थे। यह टीम हालांकि पदक जीतने की सोच रही है। यह एक मजबूत टीम है और मुझे अपने निशानेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। निशानेबाज से मेंटोर बने इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मौजूदा निशानेबाजों की सोच में बदलाव आया है। उनमें से अधिकांश को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप सहित विभिन्न टूर्नामेंट में भाग लेने और जीत दर्ज करने का अनुभव हैं। आईएसएसएफ विश्व कप में कई स्वर्ण पदकों के विजेता ने भारतीय निशानेबाजों को एकाग्रता बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि वास्तविकता यह है कि ओलंपिक एक खिलाड़ी के करियर की सबसे कठिन चुनौती है । नारंग अपनी सबसे सफल शिष्य इलावेनिल वालारिवान को वीडियो कॉल और संदेशों के जरिए नियमित तौर पर सुझाव देते है। गुजरात की 21 साल की यह निशानेबाज 10 मीटर एयर राइफल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। इस चैम्पियन निशानेबाज ने कहा कि हां, हम वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क में हैं और मैं इला (इलावेनिल) से खेलों की तैयारियों और अन्य सभी महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बात कर रहा हूं। ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होकर आठ अगस्त को समाप्त होंगे। निशानेबाजी की स्पर्धाएं उद्घाटन समारोह के अगले दिन से शुरू हो जाएंगी और 10 दिन तक चलेंगी। कोविड-19 महामारी के कारण इन खेलों का आयोजन दर्शकों के बिना होगा। उन्होंने कहा कि इलावेनिल ने 14 जुलाई को उनकी देख-रेख में अभ्यास के सात साल पूरे कर लिये और छह दिनों के बाद ओलंपिक में उसे पोडियम (पदक विजेता) पर देखना उनके लिए सबसे बड़ी खुशी होगी।

वह दिसंबर 2019 से अपने पसंदीदा आयोजन में दुनिया की नंबर एक निशानेबाज रही हैं। महामारी के कारण हालांकि तब से कई प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो सका।

महज 12 साल की उम्र में इस खेल से जुड़ने वाली इलावेनिल ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला स्वर्ण पदक 13 साल की उम्र में हासिल किया था।

आयरलैंड के 3 खिलाड़ियों पर आईसीसी की संहिता के उल्लंघन के कारण लगा जुर्माना

दुबई। आयरलैंड के क्रिकेटर जोश लिटल पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना तथा मार्क अदाएर और हैरी टैक्टर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मैच के दौरान आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 के उल्लंघन को लेकर फटकार लगाई गई है। आयरलैंड ने यह मुकाबला 70 रनों से हारा था और दोनों टीमों के बीच तीनों मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई थी। आईसीसी ने रविवार को बयान जारी कर कहा, लिटल को आईसीसी की आचर संहिता की धारा 2.12 का दोषी पाया गया है जो किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। इसके लिए लिटल के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़े गए हैं। आईसीसी ने कहा, अदाएर और टैक्कर को आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है जो किसी खिलाड़ी के साथ गलत बयान से संबंधित है। अदाएर ने दक्षिण अफ्रीका की पारी के 43वें ओवर में जानेमान मलान के चौका लगाने पर अभद्र शब्द का प्रयोग किया था। टैक्टर ने भी आयरलैंड की पारी के 16वें ओवर में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। इस हरकत की वजह से अदाएर और टैक्टर के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट अंक जोड़े गए हैं। आईसीसी ने कहा, तीनों खिलाड़ियों ने अपने ऊपर लगे आरोपों और जुर्माने को स्वीकार्य किया है जिसके बाद इस मामले पर आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं है। मैदानी अंपायर पॉल रेनोल्ड्स और रोलैंड ब्लैक, तीसरे अंपायर मार्क बावश्रोन और चौथे अंपायर एलान नील ने इन खिलाड़ियों पर आरोप लगाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप :स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन : सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत : शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश : भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

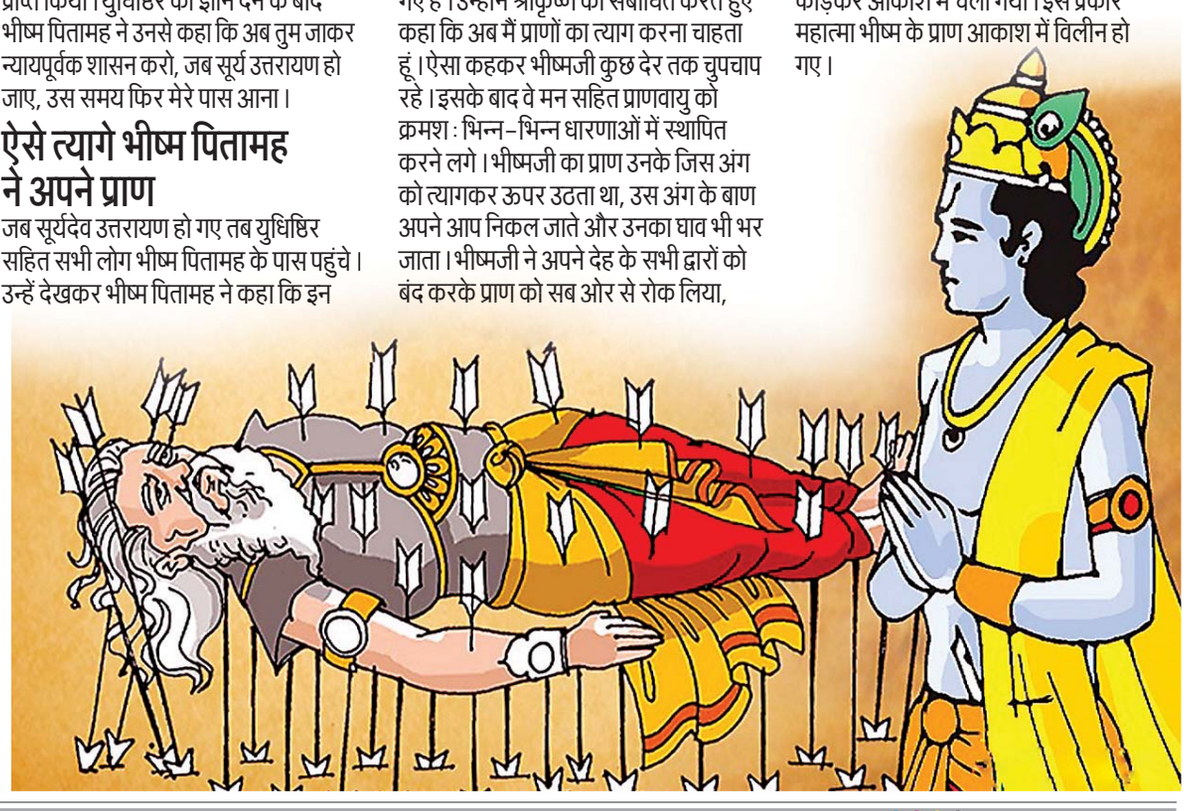

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मक्का में हज यात्रियों का पहला जत्था पहुंचा

रियाद। सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) ने बताया कि हज तीर्थयात्रियों का पहला जत्था वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए अपना पहला अनुष्ठान करने के लिए मक्का में ग्रैंड मस्जिद पहुंच गया है। समाचार एजेंसीने एसपीए के हवाले से बताया कि कोविड के खिलाफ शनिवार को बड़ी तैयारी और एहतियाती उपायों के साथ अनुष्ठान किया गया। दो पवित्र मस्जिदों के मामलों के जनरल प्रेसीडेंसी और ग्रैंड मस्जिद में भीड़ प्रबंधन के निदेशक के अनुसार, कई अलग-अलग स्थान हैं जो कुल 11,000 तीर्थयात्रियों को समायोजित कर रहे हैं। निदेशक ओसामा बिन मंसूर अल-हुजैली ने कहा कि सुबह से तीर्थयात्रियों को रिसीव करने के लिए 500 से अधिक कर्मचारियों को बुलाया गया है। यह लगातार दूसरा हज है जो केवल घरेलू तीर्थयात्रियों तक सीमित है और कोविड -19 के आगे प्रसार को रोकने के प्रयास में है। 2021 हज सीजन में 558,000 पंजीकृत लोगों में से अधिकारियों द्वारा चुने गए लगभग 60,000 मुसलमान, भाग लेंगे, जबकि 2019 में यह संख्या करीब 24 लाख थी। पिछले साल अक्टूबर में सात महीने की नमाज और उमराह का निलंबन हटाए जाने के बाद से 130 लाख से अधिक उपासक मास्क पहने हुए और शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए मस्जिदों का दौरा कर चुके हैं।

अगले कुछ दिनों में बोल्सोनारो हो सकते है डिस्चार्ज

साओ पाउलो । ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को अगले कुछ दिनों में छुट्टी दे दी जाएगी क्योंकि उनका स्वास्थ्य संतोषजनक रूप से ठीक हो गया है। पिछले सप्ताह उन्हें आंतों में दिक्कत के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार को एक बयान में, विला नोवा स्टार निजी अस्पताल ने कहा, राष्ट्रपति संतोषजनक रूप से ठीक हो रहे हैं। दिन में उनको एक क्रीमी, गैर-किण्वित आहार की पेशकश किया जाएगा। अगर अच्छी स्वीकृति मिलती है, तो अटेंडेंट मेडिकल टीम अगले कुछ दिनों में डिस्चार्ज पर फैसला करेगी। 66 वर्षीय बोल्सोनारो ने 10 दिनों से अधिक समय तक हिचकी आने की शिकायत की थी और 15 जुलाई को ब्रासीलिया के सशस्त्र बल अस्पताल में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राष्ट्रपति के निजी गैस्ट्रिक सर्जन, एंटोनियो मैसेडो ने मूल्यांकन करने के लिए विला नोवा स्टार अस्पताल में उनके स्थानांतरण का आदेश दिया था कि क्या उन्हें सर्जरी की आवश्यकता है, जिसे फिलहाल खारिज कर दिया गया है। सितंबर 2018 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में एक चुनावी रैली के दौरान चाकू से हमला करने के बाद से, बोल्सोनारो की छह सर्जरी हुई हैं।

बेशर्म नीति निर्माता और पाक सेना नहीं चाहती कि अफगान अपने घर के अंदर दुश्मन से लड़ें

नई दिल्ली/काबुल। अफगानिस्तान टाइम्स में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि बेशर्म नीति निर्माता और पाकिस्तानी सेना नहीं चाहती कि अफगान अपने घर के अंदर दुश्मन से लड़ें। प्रेसिडेंशियल पैलेस के अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने स्पिन बोल्डक सीमावर्ती जिले में तालिबान लड़ाकों पर किसी भी हमले के खिलाफ अफगान वायु सेना को चेतावनी दी है। इसमें कहा गया है, एक पड़ोसी देश के रूप में हम अफगान के साथ हमेशा सुख और दुख साझा करना चाहते हैं, स्पष्ट रूप से इस तरह के बयान देते हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि अफगानों को पड़ोसी देश से इस तरह के शत्रुतापूर्ण संदेश मिलते हैं और इस्लामाबाद को इसकी गतिविधियों के लिए दोषी ठहराया गया है। 1980 के दशक की शुरूआत से अफगानिस्तान की स्थिरता के खिलाफ, लेकिन इस बार बेशर्म नीति निर्माता और पाकिस्तान की सेना चाहती है कि अफगान अपने घर के अंदर दुश्मन से न लड़ें। संपादकीय में कहा गया है, यह बेशर्मी और दुश्मनी की चरम सीमा है, जिसे पाकिस्तानी सरकार और सेना प्रदर्शित करती है। यह कहा गया कि यह स्पष्ट रूप से साबित हुआ कि पाकिस्तान तालिबान का गॉडफादर है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और उनके पड़ोस के लोगों के खिलाफ आतंकवादी समूह का पूरा समर्थन करता है। अफगानिस्तान में शांति प्रयासों का समर्थन करने के संबंध में पाकिस्तान के आरोपों को सही ठहराने या समर्थन करने के लिए अब न तो अफगानिस्तान के अंदर, न ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में कोई भी है।

बाढ़ को लेकर दलाई लामा ने जर्मन चांसलर, और बेल्जियम के पीएम को लिखा पत्र

धर्मशाला। यूरोप में बाढ़ की खबर से आहत तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल और बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू को अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए पत्र लिखा है।
उन्होंने लिखा, पश्चिमी यूरोप में तबाही मचाने वाली अभूतपूर्व बाढ़ की रिपोर्ट देखकर मैं दुखी हूं, खासकर बेल्जियम और जर्मनी को बाढ़ प्रभावित कर रहा है।
उन्होंने लिखा, जीवन का नुकसान, संपत्ति को नुकसान, और कठिनाई जो हजारों लोग झेल रहे हैं, वह सबसे ज्यादा परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मैं शोक संतप्त लोगों के प्रति अपनी संवेदना और इस आपदा से तबाह हुए लोगों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करना चाहता हूं। मेरी संवेदनाएं इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। जर्मनी में विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 156 हो गई है। पुलिस ने रविवार को कहा कि पश्चिमी यूरोप में आपदा से मरने वालों की संख्या कम से कम 183 हो गई है।

आईएसआई का तालिबानी लड़ाकों को निर्देश- अफगानिस्तान में भारत द्वारा बनाए गए संपत्तियों को करो टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में आतंकी गुट तालिबान में बड़ी संख्या में शामिल हुए पाकिस्तानी लड़ाकों को बीते कुछ वर्षों में युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में भारत द्वारा निर्मित संपत्तियों को टारगेट करने के लिए कहा गया है। यह निर्देश इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा दिया गया है।

आपको बता दें कि भारत सरकार ने पिछले दो दशकों से अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के प्रयास में 3 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। डेलाराम और जरांज सलमा बांध के बीच 218 किलोमीटर की सड़क और अफगान संसद भवन, जिसका उद्घाटन 2015 में किया गया था, अफगान लोगों के लिए भारतीय योगदान के सबसे बड़े प्रतीक हैं।

एक अनुमान और इनपुट के अनुसार, अशरफ गनी के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान सरकार के खिलाफ तालिबान के हमले का खुलकर समर्थन करने के लिए 10,000 से अधिक पाकिस्तानियों ने अफगानिस्तान में युद्ध क्षेत्र में प्रवेश किया है। इनपुट के अनुसार, पाकिस्तानी और तालिबान लड़ाकों को विशेष निर्देश के साथ भारत द्वारा निर्मित संपत्तियों को टारगेट करने और वहां भारतीय सद्भावना के किसी भी संकेत को मिटाने के लिए भेजा गया है। अफगानिस्तान की निगरानी करने वाले सरकारी सूत्रों ने एएनआई को यह जानकारी दी है।

भारत ने अफगानिस्तान में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान दिया था। शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में एक बड़ी भूमिका निभाई थी। हक्कानी नेटवर्क सहित पाकिस्तान समर्थित इस्लामिक आतंकवादी समूह वहां भारत के खिलाफ वर्षों से अत्यधिक सक्रिय हैं।

भारतीय पक्ष इस मुद्दे पर भी असमंजस में है कि क्या उन्हें काबुल में अपनी उपस्थिति बनाए रखने की अनुमति दी जाएगी क्योंकि अभी तक अति-कट्टरपंथी इस्लामी समूह द्वारा कोई आश्वासन या संकेत नहीं दिया गया है, जिसे भारत के विरोध के रूप में देखा गया है।

भारतीय एजेंसियां काबुल हवाईअड्डे पर भी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं, जो अब बहुत लंबे समय तक अमेरिकी सुरक्षा में नहीं रहने वाला है। बगराम हवाई अड्डे सहित अमेरिकियों के अधीन कई हवाई क्षेत्र तालिबान के साथ चल रहे सत्ता संघर्ष के कारण खाली कर दिए गए हैं।

सिविल वर्क में लगे भारतीय कामगारों को भी बाहर जाने को कहा गया है। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी WAPCOS में बांध परियोजनाओं के लिए कुछ अधिकारी वहां थे। भारत ने हाल ही में काबुल शहर को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शाहतूत बांध सहित लगभग 350 मिलियन अमरीकी डालर के कार्यों की भी घोषणा की थी।

पाकिस्तान में विदेशी राजनयिकों के परिवार भी नहीं सुरक्षित, अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी को अगवा कर 5 घंटे किया गया टॉर्चर

पाकिस्तान में विदेशी राजनयिकों के परिवार भी सुरक्षित नहीं हैं। पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी को अगवा कर लिया गया। घटना 16 जुलाई की बताई जा रही है। इस्लामाबाद में घर लौटते वक्त अफगानिस्तान के राजदूत नजीबुल्ला अलीखिल की बेटी को अगवा किया गया। एएनआई की रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान में अफगान राजदूत नजीबुल्लाह अलीखिल की बेटी सिलसिला अलीखिल का अपहरण कर लिया गया और रिहा होने से पहले उसे प्रताड़ित किया गया। पांच घंटे तक मारपीट और बदसलूकी के बाद राजदूत की बेटी को रिहा किया गया है। अफगानिस्तान ने घटना को लेकर पाकिस्तान से कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने इस कृत्य की निंदा की और पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजनयिक की सुरक्षा का आह्वान किया है। सिलसिला अलीखिलल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले को लेकर अफगानिस्तान ने कहा कि पाकिस्तान जल्द से जल्द अपराधियों का पता लगाए और उन्हें गिरफ्तार करके कड़ी सजा दे।

असद ने चौथी बार सीरिया के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

दमिश्क (एजेंसी)।

सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने चौथी बार सात साल के कार्यकाल के लिए फिर से शपथ ली है। शपथ के बाद उन्होंने देश में कठिन आर्थिक स्थिति को देखते हुए उत्पादन, निवेश और भ्रष्टाचार विरोधी के महत्व पर जोर दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को अपने उद्घाटन समारोह के दौरान बोलते हुए, असद ने कहा कि अगले चरण में ध्यान उत्पादन बढ़ाने पर होगा, जो कि सीरिया में कठिन आर्थिक कठिनाई के बीच आजीविका में सुधार की कुंजी है। राष्ट्रपति के अनुसार, वर्तमान में सीरिया में 3,000 उत्पादन कारखाने बनाए जा रहे हैं। असद ने कहा कि प्रतिबंध और घेराबंदी निवेश के दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं कर सके, खासकर लाभदायक अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में। उन्होंने समझाया कि अक्षय ऊर्जा में निवेश करने का कारण बिजली की समस्या का समाधान करना है, जो न केवल हमारे दैनिक जीवन के लिए बल्कि विभिन्न निवेशों के लिए अपनी जीवन शक्ति के कारण सभी के लिए प्राथमिकता है। सीरियाई नेता ने भ्रष्ट लोगों को बेनकाब करने के लिए नए साधनों का उपयोग करके भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का विस्तार करने की भी कसम खाई। 55 वर्षीय असद ने अपना

उद्घाटन भाषण राजधानी दमिश्क के राष्ट्रपति भवन में सरकारी टेलीविजन के सीधे प्रसारण में दिया। हाल के राष्ट्रपति चुनाव में असद को 95.1 प्रतिशत वोट मिले थे। सीरिया के अंदर और बाहर अनुमानित 1.8 करोड़ पात्र मतदाताओं में से लगभग 1.4 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया। असद की जीत का काफी हद तक अनुमान लगाया गया था क्योंकि दौड़ में उनके प्रतिद्वंद्वी एक लो-प्रोफाइल विपक्षी व्यक्ति और एक पूर्व कैबिनेट मंत्री थे। 17 जुलाई 2000 को, असद ने अपने पिता हाफिज अल-असद को सीरियाई राष्ट्रपति के रूप में सफलता दिलाई थी। 2012 में अपनाए गए वर्तमान सीरियाई संविधान के तहत, राष्ट्रपति को दो बार कार्यालय चलाने का अधिकार है, जिसका अर्थ है कि यह असद का अंतिम कार्यकाल होगा।

दक्षिण अफ्रीका: हिंसा फैलाने वाले संदिग्धों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देगी सरकार

जयपुर। (एजेंसी)।

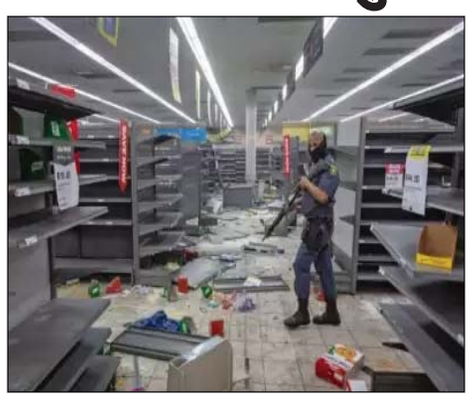

जोहानसबर्ग, 18 जुलाई (आईएएनएस)। दक्षिण अफ्रीका के न्याय और सुधार सेवा मंत्री रोनाल्ड लामोला ने 7 जुलाई से लूटपाट और सार्वजनिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के निर्देश जारी किए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, निर्देश मांग करते हैं कि हाल ही में हुई सार्वजनिक हिंसा, सार्वजनिक अव्यवस्था और बड़े पैमाने पर लूट के मामलों में तेजी लाई जाए। लमोला ने शनिवार को कहा कि ये निर्देश हमारी अदालतों और न्याय प्रणाली को हालिया अशांति और सार्वजनिक हिंसा से उत्पन्न मामलों से निपटने के लिए प्रभावी ढंग से और उचित प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इन मामलों के प्रसंस्करण में कुछ भी बाधित न हो और जनता को हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पर भरोसा और विश्वास हो सके। निर्देश अन्य बातों के अलावा, दृश्य-श्रव्य लिंक के माध्यम से मामलों को स्थगित करने और प्रत्येक अदालत में एक प्राथमिकता रोल के संकलन के लिए प्रदान किए गए हैं जो अदालतों को प्राथमिकता वाले मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता देने में सक्षम करेगा जिसमें लिंग आधारित हिंसा और यौन अपराध, भ्रष्टाचार, बच्चों से जुड़े मामले और कोविड -19 नियमों का उल्लंघन शामिल हैं। लमोला ने कहा, यदि आवश्यक हो, तो अनुभवी सेवानिवृत्त मजिस्ट्रेटों और अभियोजकों के एक पूल सहित अतिरिक्त समर्पित कर्मचारियों को इन मामलों को तेजी से ट्रैक करने के लिए बुलाया जाएगा जहां सैकड़ों गिरफ्तारियां पहले ही प्रभावित हो चुकी हैं। पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की कैद को लेकर पिछले हफ्ते देश में हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में 2,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मरने वालों की संख्या 212 हो गई है। हिंसा के मद्देनजर, तैनात दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय रक्षा बल की संख्या बढ़कर 25,000 हो गई है। तैनाती 12 अगस्त तक रहेगी। कभी रंगभेद के खिलाफ लड़ाई के लिए जाने जाने वाले जूमा को अदालत के आदेशों की अवहेलना करने के लिए एस्टकोर्ट सुधार केंद्र में 15 महीने की कैद हुई है।

अमेरिका ने कैदियों की अदला-बदली में देरी का आरोप लगाने को लेकर ईरान पर साधा निशाना

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने उस पर तत्काल अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता शुरू करने के लिए मजबूर करने के वास्ते कैदियों की प्रस्तावित अदला-बदली में देरी का आरोप लगाने के लिए शनिवार को ईरान पर निशाना साधा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईरान के उप विदेश मंत्री की टिप्पणियों को ''अपमानजनक'' बताया। ईरान के उप विदेश मंत्री ने आरोप लगाया था कि अमेरिका और ब्रिटेन 2015 के ईरान परमाणु समझौते को बचाने के लिए कैदियों को ''बंधक'' बनाने का हथकंडा अपना रहे हैं।

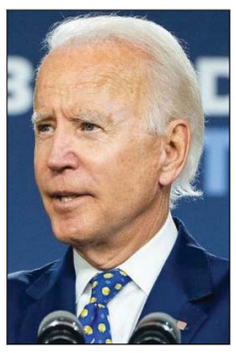

सैयद अब्बास अरागची ने अपने पुष्ट अकाउंट से किए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि विएना में परमाणु वार्ता तब तक बहाल नहीं हो सकती, जब तक ईरान के कट्टरपंथी नव निर्वाचित राष्ट्रपति अगस्त की शुरुआत में कामकाज न संभाल लें। उन्होंने कहा, ''हम सत्ता हस्तांतरण के दौर में हैं। परमाणु वार्ता को हमारे नए प्रशासन का इंतजार करना होगा। हर लोकतंत्र की यही मांग होती है।'' उन्होंने कहा, ''सभी पक्षों के 10 कैदियों को कल रिहा किया जा सकता है अगर अमेरिका और ब्रिटेन अपने हिस्से के समझौते को पूरा करें।''

इब्राहिम रईसी के ईरान का राष्ट्रपति चुनाव जीतने से पहले पिछले महीने छह दौर की परमाणु वार्ता बेनतीजा रही। अमेरिका लगातार कह रहा है कि वह सातवें दौर की बातचीत के लिए तैयार है और ईरान में बंदी बनाए अमेरिकी नागरिकों को फौरन रिहा करने की भी मांग कर रहा है। अरागची की टिप्पणियों के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने इस दावे को खारिज किया कि कैदियों की अदला-बदली पर पहले ही एक समझौता हो चुका था और उन्होंने कहा कि अमेरिका परमाणु वार्ता बहाल होने का इंतजार करते हुए कैदियों की अदला-बदली के संबंध में वार्ता जारी रखने के लिए तैयार है।

ग्रीस के मायकोनोस द्वीप में नाईट कर्फ्यू फिर से लागू होगा

एथेंस (एजेंसी)।

ग्रीक सरकार ने घोषणा की है कि कोविड संक्रमण में वृद्धि के बाद माइकोनोस द्वीप पर फिर से रात का कर्फ्यू लगा दिया जाएगा। नागरिक सुरक्षा और संकट प्रबंधन उप मंत्री निकोस हरदालियास के बयान के अनुसार, शनिवार से सुबह 1 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू 26 जुलाई तक प्रभावी रहेगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मायकोनोस में क्लबों और बारों में 24 घंटे म्यूजिक की अनुमति नहीं होगी । मायकोनोस, सेंटोरिनी, क्रेते, पारोस और आईओएस के साथ, पिछले कुछ दिनों में कोविड मामलों में बहुत तेजी देखी गई है। हरदालियास के अनुसार, 7-14 जुलाई के बीच मायकोनोस में डेली संक्रमण दर 77 से बढ़कर 318 हो गई। देश भर में अत्यधिक संक्रामक डेल्टा संक्रमण के फैलाव की वजह भीड़-भाड़ वाली पार्टियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। प्रेस बयान में कहा गया है कि, निजी, गैर-व्यावसायिक स्थानों पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए 20 से अधिक व्यक्तियों का इकट्ठा होना अभी भी प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वालों पर 200,000 यूरो (डॉलर236,000) तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। महामारी की शुरूआत के बाद से ग्रीस ने दो राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू कर दी है। दूसरा पर्यटन और अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को फिर से खोलने के लिए धीरे-धीरे प्रयास किया जा रहा था। इस महीने, देश भर में नए संक्रमणों की डेली संख्या चार महीनों में पहली बार 3,000 से अधिक हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृह मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा ने सूरत में नवनिर्मित पांडेसरा पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया

क्रांति समय दैनिक

गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जडेजा ने सूरत में पांडेसरा पुलिस स्टेशन के नए भवन का उद्घाटन किया। भाजपा अध्यक्ष सीआर और पुलिस आयुक्त प्रदीप सिंह जडेजा सहित स्थानीय विधायक मौजूद थे। नवनिर्मित थाना स्थानीय उद्योगों के सहयोग से स्थापित किया गया है। बरसात के बीच थाने का उद्घाटन प्रदीपसिंह जडेजा ने किया. इस बीच, गृह मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा ने पांच नए पुलिस थाने बनाने की

घोषणा की।

वेसु, पाल, सरोली, उत्तरांचल और आलथन में पुलिस थाने स्थापित किए जाएंगे । जिसमें सूरत पुलिस के आला अधिकारी मौजूद थे। गृह मंत्री ने तब पांच नए पुलिस स्टेशन बनाने की घोषणा की। वेसु, पाल, सरोली, उत्तरांचल और आलथन में पुलिस थाने स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही नए पुलिस कर्मचारी भी उपलब्ध कराए जाएंगे और 1956 में नए पुलिस कर्मियों की स्थापना की जाएगी।

इसके साथ ही 590 नए स्थानों पर नए सीसीटीवी लगाए जाएंगे। जिसके लिए 21.16 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। रु तीन करोड़ पुलिस वाहन भी उपलब्ध कराए जाएंगे और रु 1.23

करोड़ उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

कच्छ में भूकंप के हल्के झटके,3.9 तीव्रता रही

क्रांति समय दैनिक

गांधीनगर। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार को 3.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जान या माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान के एक अधिकारी ने कहा कि दोपहर 12 बजकर 43 मिनट पर 3.9 तीव्रता का भूकंप आया और यह कच्छ जिले से 19 किलोमीटर दूर उत्तर-उत्तर-पूर्वी भाचाऊ में 14.2 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। इसी क्षेत्र में एक दिन पहले शनिवार को भी दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर 1.6 तीव्रता का भूकंप आया था और उसका केंद्र भाचाऊसे 21 किलोमीटर दूर उत्तर-उत्तर-पूर्व में था। राज्य के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, कच्छ जिला ''बहुत अधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र'' में स्थित है। इस जिले में जनवरी 2001 में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था जिससे काफी तबाही हुई थी।

नवसारी में भारी बारिश

नवसारी जिले के लोगों को भी राहत दी है जो पिछले कई दिनों से आंधी और गर्मी से जूझ रहे हैं. कल रात से हो रही बारिश के कारण नवसारी शहर और अन्य तालुकों में बादल छा गए हैं। सड़कों और घरों में पानी भर गया है जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मुस्लिम युवकों ने क्रूरता की सीमा लांघ दी, एक गाय को पीट पीट कर मार डाला

क्रांति समय दैनिक

आणंद,आणंद में मुस्लिम समुदाय के दो युवकों ने क्रूरता की हद पार कर दी। एक निर्दोष गाय को लकड़ी से पीट पीट कर मार डाला। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। मामले की शिकायत मिलने के बाद आणंद की खंभोलज पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार आगे की कार्रवाई शुरूकी है। घटना है आणंद जिले की उमरेठ तहसील की ओड गांव के नवापुरा क्षेत्र की। शनिवार की दोपहर किन्हीं कारणों से मुस्लिम समुदाय के दो युवकों ने एक गाय की लकड़ी से पीट पीट कर हत्या कर दी। गाय को निर्दयतापूर्वक पीटते इन दोनों शख्सों को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महाकाल सेना और करणी सेना के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। घटनास्थल पर गाय का शव पड़ा हुआ था। घटना से लोगों को आक्रोश भड़क उठा और गाय के हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कारवाई करने की मांग की। इस संदर्भ में अक्षयसिंह परमार ने खंभोलज पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसके आधार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लियाकतखान अहमदखान पठान और लतीफमियां याकूबमियां शेख को गिरफ्तार कर लिया।

वायरल वीडियो में ये दोनों ही शख्स गाय को बर्बरतापूर्वक पीट रहे थे, जिसकी वह से गाय की मौत हो गई थी।

सार-समाचार

शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग आवश्यक : राज्यपाल

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का कहना है कि योग जीवन में अनुशासन का महत्व समझाता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य केलिए योग बेहद जरूरी है। आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका और सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग निबंध स्पर्धा के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल बच्चों से लेकर वयस्क स्पर्धकों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से संयुक्तराष्ट्र ने 21 जून के दिवस को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर घोषित किया है। जिसका विश्व के ज्यादातर देशों ने समर्थन किया है। जो दर्शाता है कि योग भारतीय धर्म-संस्कृति विश्व को दी गई अमूल्य भेंट है। इस मौके पर आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के अध्यक्ष भुवनेश खोसला ने विश्व योग दिन के उपलक्ष्य में आयोजित योग विषयक अंतर्राष्ट्रीय निबंध स्पर्धा की जानकारी देते हुए बताया कि इस स्पर्धा में 12 देशों के बच्चों से लेकर वयस्क समूह के 711 स्पर्धकों ने भाग लिया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष सुरेन्द्रचंद्र आर्य ने स्पर्धा को सच्चे अर्थ में वैश्विक स्पर्धा बताई। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से वर्च्युअली आयोजित इस कार्यक्रम में आर्य समाज के न्यू जर्सी के अध्यक्ष संजीव गोयल, आचार्य ब्रह्मदेव, आचार्य हरिप्रसाद, आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के महासचिव विश्रुत आर्य, विनय आर्य इत्यादि मौजूद रहे।

ममता की मोदी-शाह के गृह राज्य गुजरात में दस्तक की तैयारी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में दस्तक देने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी है कि 21 जुलाई को टीएमसी शहीद दिवस मनाएगी। इस कार्यक्रम को ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल से वर्च्युअली संबोधित करेंगी। यह कार्यक्रम गुजरात में भी दिखाया जाएगा और इसके लिए गुजरात के बड़े बड़े शहरों में स्क्रीन लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि अगले होनेवाले गुजरात विधानसभा के चुनाव से पहले ममता बनर्जी अपनी पार्टी का विस्तार करना चाहती हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) गुजरात में दस्तक दे चुकी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद पार्टी को सूरत नगर निगम चुनाव में मिली बड़ी सफलता से गदगद हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महाराष्ट्र धन शोधन मामला : ईडी ने अनिल देशमुख के दो आवासों पर मारे छापे

नागपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में रविवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर जिले में दो निवास स्थानों पर छापे मारे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईडी के दो अलग-अलग दलों ने यहां से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित कटोल शहर में देशमुख के आवास और कटोल के समीप वाडविहीरा गांव में उनके पैतृक घर पर छापे मारे। उन्होंने बताया कि सुबह करीब छह बजे छापे मारे गए। अधिकारी ने बताया कि देशमुख के कटोल परिसर पर तलाशी अभी चल रही है जबकि वाडविहीरा में तलाशी दोपहर 12 बजे के आसपास पूरी हो गयी। ईडी कथित तौर पर करोड़ों रुपये के घूस एवं वसूली गिरोह मामले से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच कर रही है। इस मामले के चलते देशमुख को इस साल अप्रैल में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। केंद्रीय एजेंसी ने हाल ही में देशमुख के निजी सचिव संजीव पलांडे (51) और निजी सहायक कुंदन शिंदे (45) को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उसने इन दोनों और राकांपा नेता के मुंबई तथा नागपुर में स्थित आवासों पर छापे मारे थे। ईडी ने मामले में पूछताछ के लिए देशमुख को सम्मन भेजे थे लेकिन वह पेश नहीं हुए।

पश्चिम बंगाल : अंतर-धार्मिक विवाह करने वाला जोड़ा गांव छोड़ने को मजबूर, जांच जारी

रामपुरहाट (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में हाल में अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले दंपति को महिला के परिवार से कथित तौर पर मिली धमकी के बाद गांव छोड़कर कहीं और शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने रविवार को बताया कि वह मामले की जांच कर रही है। दंपति नलहाटी पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच कई साल से प्रेम संबंध थे और उन्होंने 25 जून को शादी की। पति ने कहा कि महिला के परिवार ने इस शादी को स्वीकार नहीं किया और वे विवाह के बाद से ही उन्हें धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''वे हमें गांव में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मैंने 13 जुलाई को नलहाटी पुलिस थाने को भी पत्र लिखा, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।'' दंपति गांव स्थित अपना घर छोड़कर दूसरे गांव में अपने एक रिश्तेदार के यहां रह रहा है। इसी बीच महिला के पिता ने अपने दामाद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है। बीरभूम जिले के पुलिस अधीक्षक नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा, ''हम मामले की जांच कर रहे हैं।

तमिलनाडु में दिसंबर से पहले होंगे शहरी स्थानीय निकाय चुनाव

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार दिसंबर 2021 से पहले शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराएगी। इसकी घोषणा नगरपालिका प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू ने की। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के विधानसभा के बजट सत्र के दौरान इस पर बयान देने की उम्मीद है। शनिवार को एक बयान में, मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2021 से पहले राज्य के नौ नए जिलों में ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। द्रमुक ने पहले अपने चुनावी घोषणा पत्र में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का जिक्र नहीं किया था, लेकिन यह देखने के बाद कि सरकार जनता के बीच लोकप्रिय हो गई है, मुख्यमंत्री और उनकी करीबी टीम शहरी स्थानीय निकाय चुनाव जल्द कराने के इच्छुक हैं। के.एन. नेहरू ने बयान में कहा, मुख्यमंत्री ने हमें नए नौ जिलों में ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के दो महीने बाद शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी करने का निर्देश दिया है। मंत्री के बयान के अनुसार, राज्य सरकार ग्रामीण स्थानीय निकायों को परेशान नहीं करेगी, जिन्होंने दिसंबर 2019 में पदभार ग्रहण किया था और ये निकाय अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

जनसंख्या नियंत्रण पर बहस चुनावों से पहले ध्रुवीकरण का प्रयास है : जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण के प्रस्तावित कदमों को लेकर शनिवार को दावा किया कि यह समाज का ध्रुवीकरण करने और विधानसभा चुनावों से पहले सांप्रदायिक एजेंडे को जिंदा रखने का भाजपा का प्रयास है। रमेश ने यह आरोप लगाया कि हर चुनाव से पहले गैर जरूरी मुद्दों को आगे करके अपनी विफलताओं को छिपाने में भाजपा अव्वल है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''यह कुछ नहीं, बल्कि समाज का ध्रुवीकरण और सांप्रदायिक एजेंडे को जीवित रखने का भाजपा का प्रयास है।'' उन्होंने साल 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए भी भाजपा पर निशाना साधा। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''जनसंख्या में गिरावट का महत्वपूर्ण बिंदु तब आता है जब प्रजनन क्षमता का प्रतिस्थापन स्तर 2.1 तक पहुंच जाता है। इसके एक या दो पीढ़ी के बाद, जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या घटती है। ये सबसे पहले 1988 में केरल में हुआ, फिर पांच साल बाद तमिलनाडु में हुआ।'' रमेश के अनुसार, ''अब तक भारत के अधितर राज्यों ने प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर को हासिल कर लिया है। 2026 तक झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश भी ऐसा कर लेंगे, जिसमें सबसे अंतिम राज्य बिहार है और वह भी 2030 तक इस स्तर को हासिल कर लेगा।'' उन्होंने 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में दिए प्रजनन दर संबंधी आंकड़े साझा करते हुए कहा, ''मुझे संदेह है कि भाजपा में ज्यादातर लोग इस बुनियादी तथ्य से अवगत हैं, जो मोदी सरकार द्वारा जुलाई 2019 में संसद में पेश किये गए अपने 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में दर्शाया गया था।

कमलनाथ के राष्ट्रीय राजनीति में जाने की चर्चा से प्रदेश के कांग्रेसी चिंतित

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ती सक्रियता और उनको पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की चचाओं ने राज्य के कांग्रेसी नेताओं को चिंतित कर दिया है। हर किसी को इस बात का डर सताने लगा है कि अगर कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में चले गए तो राज्य में फिर गुटबाजी का नया दौर शुरू हो जाएगा।

बीते लगभग एक माह से कांग्रेस के अंदर चल रही गतिविधियों ने यह संकेत तो दे ही दिए हैं कि कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में जरूरत महसूस की जाने लगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि कमलनाथ एक ऐसे नेता हैं जिनकी गांधी परिवार से नजदीकियां है और उनका किसी गुट से नाता नहीं रहा। यही कारण है कि राजस्थान में चले विवाद का मसला हो या फिर पंजाब का, उसमें पार्टी हाईकमान ने कमलनाथ की मदद ली है।

कमलनाथ की लगातार दिल्ली में सक्रियता बढ़ रही है और वे पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के अलावा महासचिव प्रियंका गांधी से भी मुलाकात कर चुके हैं। इसके चलते संभावनाएं इस बात की बढ़ गई है कि आने वाले समय में कमलनाथ को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि उनको कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया जा सकता है।

कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में जाने की चल रही चचाओं ने राज्य के कांग्रेसी नेताओं को चिंता में डाल दिया है। यही कारण है कि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को पार्टी में बिखराव की चिंता सताने लगी है। उनका कहना है, कमलनाथ ऐसे नेता है जो सभी को एकजुट रखने में कामयाब रहे हैं, इसलिए उनकी राज्य को जरूरत है । अगर वे राष्ट्रीय राजनीति में भी जाते हैं तो उन्हें मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रखा जाए ऐसी वे हाईकमान से मांग करेंगे।

कांग्रेस के अन्य नेता भी यही बात मान रहे हैं । उनका कहना है कि कमलनाथ ने जब प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाली थी तब राज्य में कई गुट हुआ करते थे। धीरे-धीरे गुटबाजी खत्म हो गई और आज पूरी कांग्रेस एक है। अगर कमलनाथ यहां से चले गए तो फिर पार्टी गुटों में बट जाएगी और वर्ष 2023 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में पार्टी सत्ता में पहुंचने का सपना पूरा नहीं कर पाएगी।

राजनीतिक विष्लेषक सजि थॉमस का कहना है, कांग्रेस बहुत लंबे अरसे बाद एकजुट नजर आती है । उसका बड़ा कारण यह है कि तमाम गुट खत्म हो चुके हैं। इसकी बड़ी वजह कमलनाथ का राजनीतिक अनुभव और उनकी वरिष्ठता है । इन स्थितियों में अगर कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में जाते हैं तो मध्यप्रदेश में कांग्रेस में बिखराव की संभावना बनी रहेगी इसलिए कांग्रेसी नेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक है । कांग्रेस कभी गुटों का पर्याय होती थी, अब ऐसा नहीं है। कमल नाथ राष्ट्रीय राजनीति में जाते है तो राज्य में कांग्रेस को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली में तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार मामले आ सकते हैं : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा ने कहा है कि विदेशों में जिस तरह से कोरोना की तीसरी लहर ने कहर ढाना शुरू कर दिया है, उससे सबक लेते हुए दिल्ली की केजरीवाल को भी संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारियों में तेजी लानी चाहिए। आईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार केस आ सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जिस तरह से पहली और दूसरी कोरोना की लहर में लापरवाही दिखाई, अगर वैसे ही हालात रहे तो यह वास्तव में घातक सिद्ध होगा। उन्होंने केजरीवाल सरकार को चेताया कि तीसरी लहर के लिए सभी इंतजाम करें। ताकि पहले की तरह लहर आने पर हाथ खड़े कर जिम्मेदारियों को केंद्र सरकार पर डालने की कोशिश न करें।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, दिल्ली को कोरोना के सबसे बुरे दौर से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। दिल्ली में तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार तक मामले आ सकते हैं। जिनमें से नौ हजार मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए 500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश, 21 जुलाई तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

वलसाड। (एजेंसी)।

दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश हुई जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और वलसाड, वापी तथा नवसारी में कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार सुबह तक राज्य के विभिन्न हिस्सो में भारी बारिश होने की संभावन जताई गई है। विभाग के कहा, 'दक्षिण गुजरात और आसपास के क्षेत्र में समुद्र तल से 2.1 किलोमीटर ऊपर चक्रवाती दबाव का क्षेत्र बन रहा है।' विभाग ने 21 जुलाई तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है। वलसाड जिले के उमरगाम और वापी के निचले इलाकों में पानी भर गया तथा सड़कों पर जलजमाव हो गया जिससे यातायात प्रभावित रहा। वलसाड और वापी में कई बाजार तथा आवासीय क्षेत्र में भी जलभराव की स्थिति है। इसके अलावा नवसारी जिले के चिखली, गणदेवी और खेरगाम तालुका तथा सूरत के कामरेज और बारडोली में भी भारी बारिश हुई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार वलसाड जिले के वापी तालुका में सुबह छह बजे से छह घंटे में 226 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि इसी दौरान उमरगाम में 232 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। एसईओसी के अधिकारियों ने बताया कि वलसाड तालुका में 143 मिलीमीटर बरसात हुई और जलालपुर में 146 मिलीमीटर बारिश हुई। इनके अलावा नवसारी तालुका में 120 मिलीमीटर, नवसारी के गणदेवी में 119 मिलीमीटर और सूरत के कामरेज में 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वलसाड के अतिरिक्त जिलाधिकारी एन ए राजपूत के अनुसार, जिले के उमरगाम, वलसाड और वापी तालुका में सुबह से भारी बारिश हो रही है। उन्होंने कहा, 'निचले इलाकों में हमारी टीम तैनात है। बारिश अभी रुकी है और कई क्षेत्रों से पानी निकलना शुरू हो गया है। अग्निशमन विभाग के दलों को भी महत्वपूर्ण ठिकानों पर तैनात किया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों की मदद की जा सके।' आईएमडी के अनुसार, अब तक गुजरात में 36 प्रतिशत कम बारिश हुई है। आईएमडी ने अलग से जारी एक विज्ञप्ति में मछुआरों को 21 जुलाई तक उत्तर और दक्षिण गुजरात के तटों से अरब सागर में नहीं जाने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

सभी को पानी मुहैया कराने के लिए दिल्ली सरकार पूरी कोशिश कर रही है : केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में पानी का उत्पादन रविवार को बढ़कर ''अब तक के सर्वाधिक'' 95 करोड़ 50 लाख गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) के स्तर पर पहुंच जाने के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि उनकी सरकार शहर में सभी को पानी मुहैया कराने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। पिछले कुछ सप्ताह से शहर के कई इलाकों में जलसंकट बना हुआ है और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री आवास समेत कई जगहों पर प्रदर्शन किए। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''सरकार सभी को पानी मुहैया कराने की पूरी कोशिश कर रही है। हमारे इंजीनियर विपरीत परिस्थितियों में भी दिन-रात लगातार काम कर रहे हैं।''

इस बीच, 'आप' विधायक और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि पानी का उत्पादन बढ़ गया है। चड्ढा ने ट्वीट किया, ''मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली जल बोर्ड आम तौर पर होने वाले 910 एमजीडी उत्पादन की तुलना में इस वक्त अब तक के सर्वाधिक 955 एमजीडी पानी का उत्पादन कर रहा है। यमुना नदी में पानी की पर्याप्त उपलब्धता और इंजीनियरिंग समाधानों के कारण हम उत्पादन के उच्चतम स्तर पर पहुंच पाए हैं।''

उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले शुक्रवार को हरियाणा से छोड़ा गया 1,60,000 क्यूसेक पानी दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रीय राजधानी में जल शोधन संयंत्र उच्चतम स्तर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इससे पूर्व बताया था कि हरियाणा द्वारा दिल्ली के हिस्से का पानी रोके जाने के बाद वजीराबाद बैराज में यमुना का जलस्तर सोमवार को 56 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। डीजेबी ने पिछले रविवार को उच्चतम न्यायालय का रुख कर हरियाणा को दिल्ली के हिस्से का पानी जारी करने के संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया था। बोर्ड शहर में 1,150 एमजीडी की मांग की तुलना में 935 एमजीडी पानी की आपूर्ति कर रहा है।

यूपी में मुख्यमंत्री बने रहेंगे योगी, विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारी पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

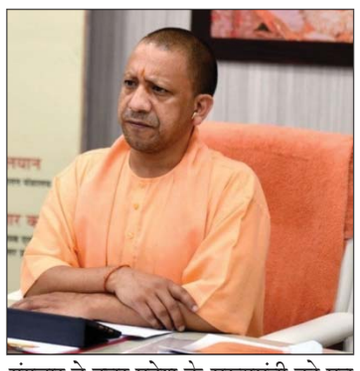

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा द्वारा प्रशंसा के शब्दों ने ना केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आलोचकों को चुप कराया है, बल्कि यह भी बताया है कि अगले साल के विधानसभा चुनावों में योगी ही पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी ने आईएएनएस को बताया, अब कार्यकताओं के बीच अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी के चेहरे को लेकर सभी शंकाएं दूर हो गई हैं। पार्टी के हालिया कदमों से पता चला है कि केंद्रीय नेतृत्व को योगी आदित्यनाथ सरकार पर पूरा भरोसा है और भाजपा उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मई में, तत्कालीन केंद्रीय श्रम मंत्री गंगवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने संसदीय क्षेत्र बरेली में कोविड की दूसरी लहर से निपटने में कुप्रबंधन की ओर इशारा किया था। इसी महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान गंगवार को हटा दिया गया था। हाल ही में जिला पंचायत और ब्लॉक प्रधान चुनावों में भगवा पार्टी की प्रचंड जीत ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के राजनीतिक कौशल को भी स्थापित किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी पार्टी द्वारा राज्य मशीनरी के दुरुपयोग के आरोपों के बावजूद, एक बात स्पष्ट है कि वह (आदित्यनाथ) खेल खेलना जानते हैं। परिणाम बताते हैं कि वह राजनीति के सभी गुर जानते हैं। प्रधानमंत्री और नड्डा के शब्दों ने आदित्यनाथ सरकार को बढ़ावा दिया है, जिसे दूसरी कोविड लहर से निपटने के लिए विपक्ष और पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ रहा था। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि एक के बाद एक प्रशंसा के शब्दों ने आदित्यनाथ के विरोधियों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिया कि उन्हें उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

कांग्रेस के हितों की कीमत पर नहीं करेंगे कोई भी गठबंधन : प्रियंका गांधी वाद्रा

लखनऊ। (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में दूसरे दलों से गठबंधन को लेकर उनका ''ज़हन बिलकुल खुला'' है लेकिन ऐसा कोई भी समझौता पार्टी के हितों की कीमत पर नहीं होगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में अन्य पार्टियों से गठबंधन को लेकर उनका ''ज़हन बिलकुल खुला हुआ'' है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अभी वह यह नहीं कह सकतीं कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी या फिर गठबंधन करेगी। हालांकि कोई भी गठबंधन पार्टी के हितों की कीमत पर नहीं होगा। प्रियंका ने खुद के उत्तर प्रदेश के राजनीतिक फलक से अकसर गैरहाजिर रहने के विपक्ष के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह उत्तर प्रदेश में 'राजनीतिक पर्यटक नहीं हैं और वह पिछले करीब डेढ़ साल से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं तथा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लगातार संपर्क में हैं। अब वह उत्तर प्रदेश में ज्यादा समय देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बड़े-बड़े दावे कर सत्ता हथियाने वाली भाजपा की असलियत अब जनता के सामने पूरी तरह जाहिर हो गई है और कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की इन्हीं नाकामियों को जनता के सामने रखेगी।

ब्राह्मण समाज के लोग अब भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आएंगे: मायावती

लखनऊ।(एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को दावा किया कि अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट नहीं देंगे। मायावती ने यहां मीडिया से कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि अब ब्राह्मण समाज के लोग भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आएंगे और अगले विधानसभा चुनाव में उसे वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज को जागरुक करने के लिए बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में 23 जुलाई को अयोध्या से एक अभियान शुरू किया जा रहा है और ब्राह्मणों को भरोसा दिया जाएगा कि बसपा शासन में ही उनका हित सुरक्षित है।

बसपा प्रमुख मायावती ने किसानों के मसले को उठाते हुए कहा कि विपक्षी दलों को एक साथ आना चाहिए और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों के प्रति सरकार की उदासीनता बेहद दुःखद है। बसपा प्रमुख ने कहा कि किसानों की मांगों के संबंध में संसद में केंद्र पर हर तरह का दबाव बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कथित गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश में बढ़ती बेरोजगारी के बीच महंगाई के आसमान छूने से लोगों के सामने काफी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। मायावती ने कहा, मैंने अपनी पार्टी के सांसदों को संसद के मानसून सत्र में देश और लोगों के लाभ से संबंधित मामलों को उठाने का निर्देश दिया है। ऐसे कई मामले हैं, जिन पर देश की जनता केंद्र सरकार से जवाबदेही चाहती है। उन्होंने कहा कि बसपा सांसद के मानसून सत्र में ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और कोविड-19 रोधी टीकाकरण से संबंधित मामलों को संसद में उठाएंगे।

राजस्थान के गंगापुर में ऑक्सीजन सांद्रक फटने से महिला की मौत, पति की हालत गंभीर

जयपुर। कोरोना वायरस महामारी के काल में ऑक्सीजन को संजीवनी माना जा रहा हैं। ऐसे में ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन सांद्रक का प्रयोग ज्यादातर लोग कर रहे हैं, या फिर आप यूं कह सकते हैं कि महामारी में ऑक्सीजन सांद्रक हर घर के लिए जरुरी हो गया है। ऑक्सीजन सांद्रक से जुड़ी एक लापरवाही का मामला सामने आया है। राजस्थान के गंगापुर शहर में दोषपूर्ण ऑक्सीजन सांद्रक का उपयोग करना घातक साबित हुआ। ऑक्सीजन सांद्रक को जैसे ही चालू किया गया उस वक्त उनमें बड़ा विस्फोट हो गया। हादसे में महिला की मौत हो गयी और आदमी गंभीर रुप से घायल हो गया। यह घटना गंगापुर के उदय मोर इलाके की है, जहां एक ठीक हो रहे कोविड-19 मरीज द्वारा एक घर में ऑक्सीजन कंसंटेटर का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, आईएएस हर सहाय मीणा के भाई सुल्तान सिंह को कोविड-19 की वजह से पिछले दो महीने से सांस लेने में तकलीफ थी। उसे सांस लेने में मदद करने के लिए एक ऑक्सीजन सांद्रक की व्यवस्था की गई थी और वह घर पर ठीक हो रहा थे। सिंह की पत्नी संतोष मीणा, एक गर्ल्स हाई स्कूल में हेडमिस्ट्रेस है वह अपने पति की देखभाल कर रही थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)